सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर, उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना !

वर्ष 01, अंक 48, नई दिल्ली

बुधवार, 03 मई 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

महंगा होगा मेट्रो फीडर बस का सफर, 15 रुपये न्यूनतम किराया

संजय बाटला

नोएडा। मेट्रो स्टेशनों से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 12 अलग-अलग रूटों पर फीडर बसों को चलाने की तैयारी तेज हो गई है। बस रूट तय होने के बाद अब किराया तय करने के लिए नोएडा मेट्रो रेल निगम (एनएमआरसी) ने मंथन शुरू कर दिया है। बस संचालन करने वाली कंपनी ने किराये के पांच स्लैब का प्रस्ताव बनाकर एनएमआरसी को सौंपा है। इसके तहत तीन किमी तक सफर का न्यूनतम किराया 15 रुपये और 15 किमी तक सफर के लिए 45 रुपये किराया निर्धारित करने का प्रस्ताव है। पुरानी मेट्रो फीडर बस सेवा की तुलना में इस बार 42 फीसदी अधिक किराये का भुगतान करना पड़ सकता है। हालांकि, किराये के प्रस्ताव पर परिवहन विभाग अंतिम फैसला लेगा।

मेट्रो फीडर बसों के छह रूट नोएडा और छह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से निर्धारित किए गए हैं। प्राधिकरणों ने अपने क्षेत्र में यात्रियों की सहूलियत के हिसाब नए सिरे से सर्वे कराकर रूट तय किए हैं। नोएडा प्राधिकरण की ट्रैफिक सेल के अधिकारियों का दावा है कि 15 मिनट के अंतराल पर स्टॉपेज पर बसों की उपलब्धता को ध्यान में रखकर रूट बनाए गए हैं। पिछली बार की तुलना में किराया ज्यादा होने की वजह बस

संचालन के खर्च में बढ़ोतरी बताया जा रहा है। सभी 25 सीएनजी बसें वातानुकूलित होंगी। कंपनी को खर्च निकालने के लिए विज्ञापन आदि से आमदनी का अधिकार दिया गया है। एनएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर बस संचालन शुरू कराया जाएगा।

इस बार महंगे किराये की वजह

एनएमआरसी को कंपनी की तरफ से किराये का जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसमें किराया ज्यादा होने की कई वजह बताई जा रही है। पहला सीएनजी की बढ़ी दरें और दूसरी वजह इस बार बसों का संचालन हाईटेक तरीके से करना बताया जा रहा है। पहले चरण में 24 सीट वाली जिन 25 बसों का संचालन होगा। अर्बन मोबिलिटी कंपनी के मोबाइल एप की मदद से बसों की लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। इससे स्टॉपेज पर पहुंचने में लगने वाला समय जानना आसान हो जाएगा। एप से टिकट भी बुकिंग हो सकेगी। कंपनी अधिकारियों ने बताया कि दो साल पहले जब एनएमआरसी की बसें संचालित हो रही थीं, तब सीएनजी की दरें करीब 49 रुपये प्रति किग्रा थी, जबकि मौजूदा दर 77.20 रुपये प्रति किग्रा है।

हर महीने तीन करोड़ का था घाटा

फरवरी 2021 में एनएमआरसी ने बस संचालन करने वाली कंपनी से अनुबंध समाप्त कर दिया था। उस दौरान बड़ी बसों का संचालन किया जा रहा था। कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन व अन्य कारणों से बस संचालन से करीब तीन करोड़ रुपये प्रति माह का घाटा हो रहा था। जिसके बाद बस सेवा बंद करने का फैसला लिया गया।

ये रूट हैं निर्धारित

नोएडा

-सेक्टर-51 से डीएलएफ मॉल, सेक्टर-51 से ओखला पक्षी विहार, सेक्टर-142 से सेक्टर-15ए, सेक्टर-51 से एक मूर्ति चौराहा ग्रेनो वेस्ट, सेक्टर-150 से परी चौक ग्रेटर नोएडा, सेक्टर-63 से सेक्टर-104 जेपी अंडरपास।

ग्रेटर नोएडा

- गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय से हिंडन ब्रिज कुलेसरा, परीचौक से नवादा होकर वापस परीचौक, जगत फार्म से एक्सपो मार्ट होकर जगत फॉम-2, राइज चौक से नॉलेज पार्क-5 होकर राइज चौक, चार मूर्ति चौराहे से केपिटल एथेना, चार मूर्ति से मिलक लच्छी होकर चार मूर्ति पुलिस चौकी।

प्रस्तावित किराया

किलोमीटर प्रस्तावित किराया पुराना किराया
0-3 किमी.
15 रुपये
11 रुपये
3-5 किमी.
25 रुपये
16 रुपये
5-10 किमी.
35 रुपये
21 रुपये
10-15 किमी.
45 रुपये
26 रुपये

15 किमी. से अधिक सफर करने पर 5 रुपये प्रति किमी. की दर से किराया।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Font Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- Box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

हवाई जहाज नहीं ले सकते हैं तो 7 लाख में घर ले आएं उड़ने वाली कार

परिवहन विशेष न्यूज

आपने अभी तक सड़कों पर फर्राटा भरने वाली कारों को खूब देखा होगा। लेकिन अब जल्द ही आपको हवा में उड़ने वाली कारें दिखने वाली हैं। इन कारों में आपको न तो ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ेगा और न ही फ्यूल डलाने का झंझट होगा। एक कंपनी ने बाजार में इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार की बिक्री शुरू कर दी है।

नई दिल्ली: सड़कों पर लगातार जाम का झाम बढ़ता जा रहा है। दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में घर से कार लेकर निकलने वाले लोगों को कई बार घंटों जाम में फंसकर परेशान होना पड़ता है। लोगों के जाम में फंसकर कई घंटे खराब हो जाते हैं। लेकिन इन सब झंझटों से राहत मिल सकती है। इसके लिए एक कंपनी ने उड़ने वाली कार (Flying Car) मार्केट में उतार दी है। इस कार की धड़ाधड़ बुकिंग हो रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस कार में आपको किसी तरह का फ्यूल डालने की भी जरूरत नहीं है। यह इलेक्ट्रिक कार है। इसका (Flying Car) खर्चा काफी कम है। बस इसे आपको चार्ज करना है और यह हवा में उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाएगी। इस कार को घर लाने के लिए आपको ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप करीब 7 लाख रुपये के डाउन पेमेंट के साथ इसे घर ला सकते हैं।

इस कंपनी ने लॉन्च की कार

इस उड़ने वाली कार को स्वीडन की कंपनी ने बाजार में उतारा है। इस कार को जेटसन वन नाम दिया गया है। यह कार बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध है। कार को उड़ाना बेहद आसान है। इस कार के आने से अब हवा में भी ट्रैफिक दिखाई देगा। लोगों के लिए ट्रैवल करना आसान होगा। इसके साथ ट्रैफिक का सामना नहीं करना पड़ेगा। अभी तक अलग-अलग एयरो कंपनियां अभी तक केवल प्रोटोटाइप ही बना पाई। हालांकि, वे बिक्री शुरू करने में नाकाम रही. ऐसे में जेटसन एयरो ने फ्लाइंग कार की बुकिंग शुरू करके बड़ा कदम उठाया है।

2023 के लिए बुकिंग फुल

बुकिंग शुरू होते ही कंपनी को कस्टमर्स से बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है. इस साल कंपनी 200 फ्लाइंग कार की डिलीवरी करेगी, जिसकी बुकिंग पहले ही हो चुकी है। फिलहाल 2023 में डिलीवरी के लिए ऑर्डर लिए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक करीब 270 जेटसन वन की बुकिंग हो चुकी है। ड्रोन जैसी दिखने वाली कार की कीमत कंपनी ने 98 हजार डॉलर तय की है। यह करीब 80 लाख रुपये है। हालांकि इस कार को मात्र आठ हजार डॉलर डाउन पेमेंट देकर लिया जा सकता है। यह करीब साढ़े छह लाख के करीब है. देखने में यह ड्रोन के आकार की दिखाई देती है और इसे उड़ाना बेहद आसान है। कंपनी का दावा कि कोई भी इसे महज कुछ मिनटों के अंदर सीख सकता है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली में 'मोहल्ला' बस सेवाओं के मार्गों का अध्ययन करने के लिए समिति का होगा गठन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने विभाग को राजधानी में हर कोने तक बसों का संपर्क मुहैया कराने के लिए 'मोहल्ला' बस सेवा के लिए मार्गों का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया है। दिल्ली सरकार आने वाले समय में राजधानी में 100 'मोहल्ला' बस शुरू करना चाहती है जो भीड़-भाड़ वाले मार्गों पर चलेंगी और आवासीय तथा व्यावसायिक स्थानों को जोड़ेंगी। एक अधिकारी ने रविवार को कहा, परिवहन मंत्री ने पिछले सप्ताह परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर बस सेवा के लिए मार्गों का अध्ययन करने के वास्ते समिति बनाने को कहा है। परिवहन विभाग इस संबंध में दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) से भी सलाह-मशविरा करेगा।

हिमाचल में अब ऑटोमेटिक होगी वाहनों की पासिंग, पहले चरण में बद्दी से होगी शुरुआत

शिमला। प्रारंभिक चरण में बीबीएन में यह सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इसके बाद प्रदेश के अन्य बड़े जिलों में लगाने भी योजना है। यह सेंटर तीन माह के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें बड़े वाहन की 08:00 और छोटे वाहनों की 05:00 मिनट में पूरी स्कैनिंग हो जाएगी। हिमाचल प्रदेश के बीबीएन में अब वाहनों की पासिंग ऑटोमेटिक होगी। बद्दी के भटोली कलां में वाहन इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन सेंटर तैयार किया जा रहा है। इसके बाद बीबीएन में सेंटर से पास हुई गाड़ियां ही मान्य होंगी। प्रारंभिक चरण में बीबीएन में यह सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इसके बाद प्रदेश के अन्य बड़े जिलों में लगाने भी योजना है। यह सेंटर तीन माह के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें बड़े वाहन की 08:00 और छोटे वाहनों की 05:00 मिनट में पूरी स्कैनिंग हो जाएगी। इंस्पेक्शन एंड ऑटोमेटिक सेंटर बनने से चार गाड़ियों की एक साथ पासिंग होगी। इसमें दो एलएमवी और दो एचटीवी वाहन होंगे। लेन पर चढ़ते ही गाड़ी की खराबी का पता चलेगा। इसे ठीक करने के बाद ही मशीन गाड़ी को पास करेगी। बद्दी के भटोली कलां में 17 करोड़ से सेंटर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए ढाई एकड़ जमीन सरकार ने मुहैया कराई है। इसकी मशीनरी और भवन बनाने का कार्य केंद्र सरकार कर रही है। इस सेंटर का प्रदेश में बनाने का उद्देश्य वाहन को फिटनेस से होने वाली दुर्घटनाओं के ग्राफ को कम करना है। सेंटर में चार लेन लग रही हैं।

चश्मदीदों का कहना है कि एक कार द्वारा सड़क पर आगे निकलने की होड़ के चलते यह दुर्घटना हुई।

इंदौर में बेकाबू हुई क्रेन, कई लोगों को रौदते निकली, मासूम बच्ची समेत 4 की मौत

इंदौर में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया, यहां एक क्रेन और यात्री बस में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पांच से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। कुछ लोग गंभीर बताए जा रहे है। मौके पर बचाव कार्य जारी है।

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र के भगत सिंह नगर में मंगलवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां बाणगंगा थाने के पास ब्रिज के उतार पर क्रेन ने दो बाइक को रौंदता हुआ कई मीटर तक अपने साथ ले गया। घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक महिला गंभीर रुप से घायल हुई है जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में एक बच्ची, एक महिला और दो पुरुष शामिल है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए है।

बाणगंगा थाना प्रभारी राजेंद्र राजेंद्र सोनी के मुताबिक ब्रिज से उतर रही क्रेन ने दो बाइक पर सवार पांच लोगों को रौंदता हुआ कई मीटर तक अपने साथ ले गया, हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है इनमें एक बच्ची भी शामिल है। वही घटना में एक महिला भी गंभीर रुप से घायल हुई है जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं हादसे के चलते बाणगंगा ब्रिज के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। टीआई के मुताबिक घटना की जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक घटना ब्रेक फेल होने की वजह से हुई है।

वहीं, चश्मदीदों का कहना है कि एक कार द्वारा सड़क पर आगे निकलने की होड़ के चलते यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे बाणगंगा क्षेत्र के नागरिक लक्ष्मीनारायण पानेरी ने दावा किया कि यह दुर्घटना क्रेन का ब्रेक फेल होने के चलते हुई और इसमें एक महिला के पैर कट गए। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन से बाणगंगा क्षेत्र के नागरिकों की मांग है कि घनी आबादी वाले इस इलाके में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होना चाहिए।

जयपुर में ऑडी डिवाइडर से टकराई, 4 की मौत

जयपुर में रिंग रोड के पास ओवर स्पीड ऑडी कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में सवार तीन युवतियों समेत चार की मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक युवक रिटायर्ड आर्मी अफसर का बेटा है। कार उसी युवक के नाम है। पुलिस के अनुसार, कार की स्पीड 120 से अधिक थी।

चाकसू SHO भूरी सिंह ने बताया- हादसा सोमवार देर रात 3 बजे शिवदासपुरा इलाके स्थित रिंग रोड पर हुआ। ऑडी कार सवार युवक-युवती अजमेर की तरफ से जयपुर आ रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। कार का इंजन बाहर निकलकर रोड पर आ गया। वहीं, ड्राइवर साइड का टायर एक्सल से टूटकर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरा।

उन्होंने बताया कि डिवाइडर से टकराते ही कार के दोनों एयरबैग खुल गए थे, लेकिन वह भी जान नहीं बचा पाए। जल्द जयपुर लौटने के चलते ओवर स्पीड में कार चलाई जा रही थी। टोंक रोड पर उतरने का अचानक याद आने पर ओवर स्पीड कार मोड़ते ही कट पर डिवाइडर से टकराने से हादसा हो गया।

एसीपी मानसरोवर अभिषेक शिवहरे ने बताया कि कार में कुल छह लोग सवार थे। इनमें तीन लड़के और तीन लड़कियां थीं। सूचना पर शिवदासपुरा, चाकसू और सांगानेर सदर की पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवक-युवतियों को बाहर निकाला। गंभीर हालत में सभी को हॉस्पिटल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवतियों और एक युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल दो लोगों को गंभीर हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

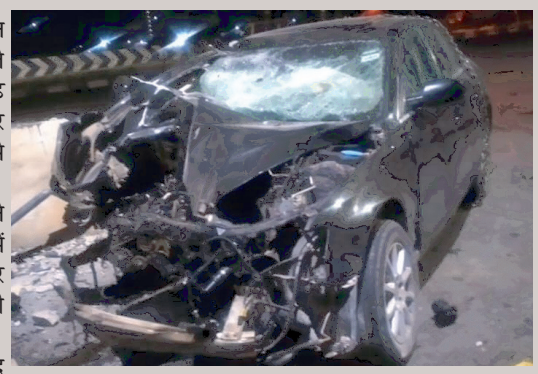

टक्कर इतनी भीषण थी की कार का इंजन सड़क पर कुछ इस तरह बिखर गया। इसी को देखते हुए पुलिस ने कार के ओवर स्पीड में होने की आशंका जताई है।

टक्कर इतनी भीषण थी की कार का इंजन सड़क पर कुछ इस तरह बिखर गया। इसी को देखते हुए पुलिस ने कार के ओवर स्पीड में होने की आशंका जताई है।

मरने और घायलों में ये शामिल

शिवदासपुरा थाना के एसआई हसन अली ने बताया कि मरने वालों में राजेश सिंह (28) पुत्र रामस्वरूप निवासी निवारू रोड झोटवाड़ा, घनुशा (24) पुत्री सुनील निवासी केरल, आर्या (25) पुत्री संजय कुमार निवासी उत्तर प्रदेश और अंशिका (25) पुत्री अनिल कुमार मिश्रा है। हादसे में शुभ शर्मा (26) पुत्र महेश शर्मा निवासी लालनपुरा और यश गर्ग (27) पुत्र ओम प्रकाश निवासी गणेश नगर वैद्यजी का चौराहा झोटवाड़ा घायल हुए।

एसआई ने बताया कि राजेश सिंह के पिता आर्मी से रिटायर्ड अफसर हैं। राजेश ही हादसे के वक्त कार चला रहा था।

इनसाइड

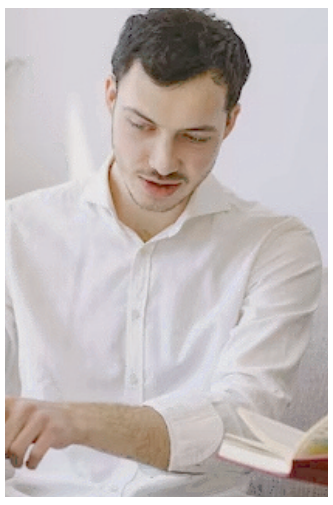

ऑफिस में महिला कलीग से बात करें तो जरूर रखें इन बातों का ख्याल, बन जाएंगे उनके फेवरेट, बॉन्डिंग भी होगी स्ट्रॉन्ग

ऑफिस में फीमेल कलीग से बात करना कई पुरुषों के लिए आसान नहीं होता है. ऐसे में पुरुष महिला कलीग के सामने भाषा पर ध्यान देने से लेकर स्माइल करने, मोटिवेट रखने जैसे कुछ टिप्स अपनाकर उनके साथ हेल्दी और फ्रेंडली रिलेशनशिप डेवलप कर सकते हैं.

ऑफिस में पुरुष और महिला कलीग्स दोनों मौजूद रहते हैं. ऐसे में कई मेल कलीग्स आपस में काफी अच्छे दोस्त होते हैं मगर फीमेल कलीग्स के सामने ज्यादातर पुरुष असहज महसूस करते हैं. आप चाहें तो महिला सहकर्मी से बात करते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखकर ना सिर्फ उनके फेवरेट बन सकते हैं, बल्कि उनके साथ अपनी बॉन्डिंग को भी स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं.

फीमेल कलीग के सामने कई सारे पुरुष नर्वस हो जाते हैं, जिसके चलते वे महिलाओं से खुलकर बात नहीं कर पाते हैं. इसका असर आपके काम पर भी पड़ सकता है. ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप फीमेल कलीग्स से बेस्ट बॉन्डिंग बना सकते हैं. आइए जानते हैं ऑफिस में महिला कलीग से बात करने के टिप्स.

भाषा पर संयम रखें

अपने ऑफिस की किसी भी महिला कर्मचारी से बात करते समय पुरुषों को भाषा पर ध्यान देना जरूरी होता है. दरअसल, पुरुष आपस में तुम या तू करके बात करते हैं मगर महिलाओं के सामने ऐसे पेश आने से आपका इम्प्रेशन खराब हो सकता है. वहीं, फीमेल कलीग के सामने बॉडी लैंग्वेज भी सही रखें, जिससे वे भी आपके सामने सहज महसूस कर सकें.

स्माइल करना है जरूरी

अगर आप महिला कलीग से बात करने में असहज महसूस करते हैं तो आप उन्हें दूर से देखकर मुस्कुरा भी सकते हैं. फीमेल कलीग से आई कॉन्टैक्ट होने पर आपकी एक मुस्कान भी काफी है. इससे आप बिना बोले उनके साथ स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बना सकेंगे और आपका रिश्ता मजबूत होने लगेगा.

काम पर ध्यान दें

महिला कलीग से स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बनाने के लिए आप काम में उनकी मदद मांग सकते हैं. इससे ना सिर्फ ऑफिस का प्रोजेक्ट जल्दी खत्म हो जाएगा, बल्कि काम के बीच में हंसी-मजाक करने से आपका रिश्ता भी बेहतर होने लगेगा. लेकिन, काम के दौरान पॉजिटिविटी बरकरार रखें और साथी कलीग की बुराई करने से बचें.

मोटिवेट करें

महिला कलीग को काम के प्रति मोटिवेट रखकर आप उनसे स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बना सकते हैं. इससे फीमेल कलीग की ऑफिस परफॉर्मेंस भी बेहतर होने लगेगी. साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा, जिससे आप फीमेल कलीग के फेवरेट बन जाएंगे.

टी ब्रेक पर जाएं

ऑफिस के काम में लोगों को फीमेल कलीग से बात करने का मौका कम ही मिलता है. ऐसे में आप महिला कलीग को चाय या कॉफी का ऑफर दे सकते हैं मगर ध्यान रहे कि हर रोज महिला कलीग के साथ टी ब्रेक पर ना जाएं. इससे फीमेल कलीग के साथ आप बेस्ट प्रोफेशनल रिलेशन बना सकेंगे.

लूज हो रहा सेल्फ कॉन्फिडेंस? महिलाएं इन 7 टिप्स की लें मदद, दमदार बन जाएगी पर्सनैलिटी

जिंदगी में सफल और कामयाब व्यक्ति बनने के लिए आत्मविश्वास का होना बेहद जरूरी होता है. हालांकि कुछ लोगों में कॉन्फीडेंस का लेवल अक्सर कम रहता है. ऐसे में ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान देने से लेकर खुद पर विश्वास रखने और आलोचनाओं को नजरअंदाज करके आप बोल्ड और कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

शानदार पर्सनैलिटी के लिए कॉन्फिडेंस हाई होना बेहद जरूरी होता है. खासकर करियर को बेहतर बनाने में आत्मविश्वास का अहम योगदान होता है. हालांकि कुछ लोगों में अक्सर सेल्फ कॉन्फिडेंस (Self confidence) की कमी देखने को मिलती है. ऐसे में अगर आपका कॉन्फिडेंस भी लूज हो रहा है. तो आप कुछ आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं. जिससे आपका आत्मविश्वास मिनटों में बढ़ता दिखाई देने लगेगा.

सेल्फ कॉन्फिडेंस लोगों की पर्सनैलिटी में चार चांद लगाने का काम करता है. ऐसे में आत्मविश्वास को ज्यादातर लोगों का हैप्पीनेस सीक्रेट भी माना जाता है. वहीं कॉन्फिडेंस की कमी होने के कारण लोगों को लाइफ में काफी सफर करना पड़ सकता है. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कॉन्फिडेंस बूस्ट करने के कुछ आसान टिप्स, जिसकी मदद से आप खुशमिजाज और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

ड्रेसिंग सेंस पर फोकस करें

ड्रेसिंग सेंस आपके लिए कॉन्फिडेंस बूस्टर साबित हो सकता है. ऐसे में अच्छी ड्रेस, मैचिंग फुटवियर और गुड लुक कैरी करके आप अंदर से काफी कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं.

कम्युनिकेशन पर ध्यान दें

कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनने के लिए आपको कम्युनिकेशन स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए. ऐसे में अलग-अलग लोगों से बातचीत के दौरान अपने शब्दों और बॉडी लैंग्वेज पर फोकस करें. इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स में सुधार आएगा और आप कॉन्फिडेंट फील करने लगेंगे.

खुद पर विश्वास रखें

खुद पर भरोसा ना होने पर लोग अक्सर कन्फ्यूज और डल महसूस करते हैं. ऐसे में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आपको खुद पर भरोसा रखना जरूरी होता है. इसलिए दूसरों की बातों पर गौर करने की बजाए अपने फैसलों का सम्मान करें.

गलतियों से ना डरें

गलतियों के डर से लोग अक्सर कुछ नया करना अवॉइड कर देते हैं. जिससे आपका अत्मविश्वास कम हो सकता है. ऐसे में आलोचनाओं का डट कर सामना करें और हमेशा नया सीखने के प्रति तत्पर रहें. इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ने लगेगा.

दूसरों से अलग बनें

कई बार दूसरों को कॉपी करने के चक्कर में लोग अपनी यूनीक पर्सनैलिटी से समझौता कर लेते हैं. हालांकि खुद को दूसरों से अलग बनाकर आप कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं. इसलिए किसी को कॉपी करने की बजाए अपनी स्किल्स को निखारने पर फोकस करें.

डर से लड़ें

कई बार हार या आलोचनाओं के डर से लोग अपने दिल की नहीं सुनते हैं. जिसके चलते आप अंदर ही अंदर घुट कर रह जाते हैं. इसलिए डर से भागने की बजाए इसका डट कर सामना करें और अपनी बात रखने में बिल्कुल ना हिचकिचाएं. इससे आपका कॉन्फिडेंस आसानी से बूस्ट होने लगेगा.

लोगों की बातों को करें नजरअंदाज

कुछ लोग दूसरों की बातों को अक्सर दिल से लगा लेते हैं. जिससे आप खुद अपनी सफलता में बाधक बन जाते हैं. इसलिए लोगों की बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें और खुद अपनी गलतियों से सीख लेकर जिंदगी में आगे बढ़ें. इससे आप कॉन्फीडेंट और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभरेंगे.

50 के बाद भी रहना है हेल्दी, 4 विटामिन्स को करें डाइट में शामिल, कम दिखने लगेगी उम्र, हमेशा रहेंगी फिट

पचास की उम्र के बाद महिलाओं में कमजोरी आने लगती है. ऐसे में महिलाएं अपनी बढ़ती उम्र को कम दिखाने की पूरी कोशिश करती हैं. वहीं, तमाम नुस्खे आजमाने के बाद भी महिलाएं अपनी ऐज को छुपाने में नाकाम हो जाती हैं. अगर आप 50 की हो रही हैं तो कुछ जरूरी विटामिन्स को डाइट (Diet tips) में एड करके आप उम्र के असर को आसानी से हाइड कर सकती हैं.

50 प्लस वुमेंस में विटामिन की कमी होना काफी आम बात है. ऐसे में विटामिन रिच डाइट को अवॉयड करने से ना सिर्फ महिलाएं फिजिकली वीक महसूस करने लगती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी ज्यादा दिखती है. मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, हम आपको बताते हैं 5 एसेंशियल विटामिन सप्लीमेंट्स के नाम, जिनका सेवन करके आप 50 के बाद भी खुद को यंग रख सकती हैं.

विटामिन बी 12

विटामिन बी 12 को एनर्जी का बेस्ट सोर्स माना जाता है. मगर बढ़ती उम्र के साथ शरीर में विटामिन बी 12 की कमी देखने को मिलने लगती है. ऐसे में दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, एनिमल प्रोडक्ट्स, चिकन, फिश, अंडा, मीट और खमीर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करके आप विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकती हैं.

कैल्शियम

कैल्शियम रिच डाइट हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार होती है. साथ ही कैल्शियम से भरपूर चीजें खाने से महिलाओं में फ्रैक्चर होने की संभावना कम रहती है. ऐसे में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, बीज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मछली, बीन्स, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन और टोफू का सेवन कर सकती हैं.

विटामिन डी

50 से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए विटामिन डी का सेवन भी जरूरी होता है. विटामिन डी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ डिप्रेशन, एंग्जाइटी और थकान को दूर रखने में सहायक होता है. वहीं डेयरी प्रोडक्ट, अंडा और फिश को विटामिन डी का बेहतर स्रोत माना जाता है. इसके अलावा बॉडी में विटामिन डी की कमी पूरी करने के लिए आप कुछ देर धूप में भी बैठ सकती हैं.

विटामिन बी 6

50 के बाद शरीर में विटामिन बी 6 की कमी होने लगती है. ऐसे में फिट और हेल्दी रहने के लिए विटामिन बी 6 से भरपूर आहार लेना जरूरी हो जाता है. वहीं गाजर, पालक, केला, दूध, चिकन और कलोंजी को विटामिन बी 6 का बेस्ट सोर्स माना जाता है.

भारत के इतिहास में इन वीरांगनाओं का नाम नहीं भुलाया जा सकता

इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने समय-समय पर अपनी बहादुरी और साहस का प्रयोग कर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चली हैं। आज हम अपनी खबर में ऐसी ही महिलाओं के शौर्य और वीरता की बात करेंगे जिन्होंने क्रांतिकारी गातिविधियों में अपना योगदान निडर होके दिया और कुछ ऐसी भी वीरांगनाएँ जिन्होंने असंभव प्रयास करते हुए किसी भी युग में न भूलने वाला काम किया और अमर हो गयी।

रानी लक्ष्मीबाई (19 नवंबर - 17 जून 1858)

भारत में जब भी महिलाओं के सशक्तिकरण की बात होती है तो महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की चर्चा ज़रूर होती है। रानी लक्ष्मीबाई न सिर्फ़ एक महान नाम है बल्कि वह एक आदर्श हैं उन सभी महिलाओं के लिए जो खुद को बहादुर मानती हैं और उनके लिए भी एक आदर्श हैं जो महिलाएं ये सोचती है कि 'वह महिलाएं हैं तो कुछ नहीं कर सकती.' देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम (1857) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली रानी लक्ष्मीबाई के अप्रतिम शौर्य से चकित अंग्रेजों ने भी उनकी प्रशंसा की थी और वह अपनी वीरता के किस्सों को लेकर किंवदंती बन चुकी हैं।

ऊषा मेहता सावित्रीबाई फूले (25 मार्च 1920 - 11 अगस्त 2000)

कांग्रेस रेडियो जिसे 'सीक्रेट कांग्रेस रेडियो' के नाम से भी जाना जाता है, इसे शुरू करने वाली ऊषा मेहता ही थीं. भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान कुछ महीनों तक कांग्रेस रेडियो काफ़ी सक्रिय रहा था। इस रडियो के कारण ही उन्हें पुणे की येरवाड़ा जेल में रहना पड़ा। वे महात्मा गांधी की अनुयायी थीं।

बेगम हज़रत महल (1820 - 7 अप्रैल 1879)

जंगे-आज़ादी के सभी अहम केंद्रों में अवध सबसे ज़्यादा वक्त तक आज़ाद रहा। इस बीच बेगम हज़रत महल ने लखनऊ में नए सिरे से शासन संभाला और बगावत की कयादत की। तकरीबन पूरा अवध उनके साथ रहा और तमाम दूसरे ताल्लुकेदारों ने भी उनका साथ दिया। बेगम हजरत महल की हिम्मत का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने मटियाबुर्ज में जंगे-आज़ादी के दौरान नज़रबंद किए गए वाजिद अली शाह को छुड़ाने के लिए लार्ड कैनिंग के सुरक्षा

दस्ते में भी सेंध लगा दी थी।

ऐनी बेसेंट (1 अक्टूबर 1857 - 20 सितम्बर 1933)

थियोसोफिकल सोसाइटी और भारतीय होम रूल आंदोलन में अपनी विशिष्ट भागीदारी निभाने वाली ऐनी बेसेंट का जन्म 1 अक्टूबर, 1847 को तत्कालीन यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड के लंदन शहर में हुआ था। 1890 में ऐनी बेसेंट हेलेना ब्लावत्सकी द्वारा स्थापित थियोसोफिकल सोसाइटी, जो हिंदू धर्म और उसके आदर्शों का प्रचार-प्रसार करती हैं, की सदस्या बन गईं. भारत आने के बाद भी ऐनी बेसेंट महिला अधिकारों के लिए लड़ती रहीं। महिलाओं को वोट जैसे अधिकारों की मांग करते हुए ऐनी बेसेंट लागातार ब्रिटिश सरकार को पत्र लिखती रहीं। भारत में रहते हुए ऐनी बेसेंट ने स्वराज के लिए चल रहे होम रूल आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मैडम भीकाजी कामा (24 सितम्बर 1861 - 13 अगस्त 1936)

मैडम भीकाजी कामा ने आज़ादी की लड़ाई में एक सक्रिय भूमिका निभाई थी। इनका नाम इतिहास के पन्नोंज पर दर्ज है। स्वतंत्रता की लड़ाई में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वो बाद में लंदन चली गईं और उन्हें भारत आने की अनुमति नहीं मिली।

कस्तूरबा गांधी (11 अप्रैल 1869 - 22 फरवरी 1942)

मोहनदास करमचंद गांधी ने 'बा' के बारे में खुद स्वीकार किया था कि उनकी दृढ़ता और साहस खुद गांधीजी से भी उन्न त थे।वह एक दृढ़ आत्म शक्ति वाली महिला थीं और गांधीजी की प्रेरणा भी। उन्होंने लोगों को शिक्षा, अनुशासन और स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी सबक सिखाए और आज़ादी की लड़ाई में पर्दे के पीछे रह कर सराहनिय कार्य किया है।

सरोजिनी नायडू (13 फरवरी 1879 - 2 मार्च 1949)

भारत कोकिला सरोजिनी नायडू सिर्फ़ स्वएतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं, बल्कि बहुत अच्छी कवियत्री भी थीं। गोपाल कृष्ण गोखले से एक ऐतिहासिक मुलाक़ात ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। सरोजिनी नायडू ने खिलाफ़त आंदोलन की बागडोर संभाली और अग्रेजों को भारत से निकालने में अहम योगदान दिया।

कमला नेहरू (1 अगस्त 1899 - 28 फरवरी 1936)

कमला विवाह के बाद जब इलाहाबाद आईं तो एक सामान्यप, कम उम्र की नई नवेली दुल्हन भर थीं. लेकिन समय आने पर यही शांत स्वाभाव की महिला लौह स्त्रीव साबित हुई, जो धरने-जुलूस में अंग्रेजों का सामना करती, भूख हड़ताल करती और जेल की पथरीली धरती पर सोती थी। नेहरू के साथ-साथ कमला नेहरू और फ़िर इंदिरा की प्रेरणाओं में देश की आज़ादी ही सर्वोपरि थी। असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़कर शिरकत की थी।

अरूणा आसफ़ अली (16 जुलाई 1909 - 26 जुलाई 1996)

अरूणा आसफ़ अली को भारत की आज़ादी के लिए लड़ने वाली एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने एक कार्यकर्ता होने के नाते नमक सत्याग्रह में भाग लिया और लोगों को अपने साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, साथ ही वे 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' की एक सक्रिय सदस्य थीं।

विजयलक्ष्मी पंडित (18 अगस्त 1900 - 1 दिसम्बर 1990)

एक संपन्नय, कुलीन घराने से ताल्लुहक रखने वाली और जवाहरलाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित भी आज़ादी की लड़ाई में शामिल थीं. सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल में बंद किया गया था। वे संयुक्तम राष्ट्र की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष थीं और स्वतंत्र भारत की पहली महिला राजदूत थीं जिन्होंने मास्को, लंदन और वॉशिंगटन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पुलिस ने पहलवानों को सौंपी FIR की कॉपी

आरोप- अंतरराष्ट्रीय इवेंट के दौरान भी किया यौन शोषण

दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन पहलवानों को एफआईआर की एक कॉपी दे दी है जबकि POCSO के तहत दर्ज एफआईआर की कॉपी पहलवानों को नहीं दी गई क्योंकि पुलिस का कहना है कि यह केवल पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर WFI के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और अन्य कोचों के खिलाफ प्रदर्शन लगातार जारी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर शाम को बृजभूषण शरण के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज कर ली हैं। अब जानकारी आ रही है कि पुलिस ने पहलवानों को एफआईआर की एक कॉपी दी गई है।

पुलिस ने पहलवानों की दी FIR की कॉपी

पुलिस ने पहलवानों को दी एफआईआर की कॉपी दिए जाने के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पहलवानों को एफआईआर की एक कॉपी दी गई है, जबकि POCSO के तहत दर्ज एफआईआर की कॉपी पहलवानों को नहीं दी गई, क्योंकि यह केवल पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराएगी पुलिस

दिल्ली पुलिस ने WFI के चीफ के खिलाफ दर्ज की एफआईआर के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक नाबालिग समेत कुल 7 खिलाड़ियों ने दिल्ली पुलिस से शिकायत की है। पुलिस जल्द ही पीड़ितों के बयान दर्ज करेगी। आरोप है कि बृजभूषण शरण सिंह ने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान महिला पहलवानों का यौन शोषण किया। जल्द ही पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

कनॉट प्लेस थाना पहुंचे पहलवान

जानकारी के अनुसार, पहलवान विनेश फोगाट और अन्य पहलवान नई दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने पहुंचे हैं। महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद दिल्ली पुलिस ने कल भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की।

'हम किसी राजनीतिक पार्टी का समर्थन नहीं करते'

वहीं, धरने पर बैठी पहलवान ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करते हैं।

क्या है मामला

ताजा विवाद मुख्यमंत्री आवास की मरम्मत और उसकी साज-सज्जा पर लगभग 45 करोड़ रुपये खर्च करने को लेकर पैदा हुआ है, जिसमें भाजपा ने सीधे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर घोटाले का आरोप लगा रही है। बता दें कि इससे पहले आबकारी घोटाला, डीटीसी में बस खरीद के नाम पर घोटाला, स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में घोटाला, नेताओं की जासूसी कराने जैसे कई मामलों में आम आदमी पार्टी सरकार घिरी हुई नजर आ रही है।

खिलाड़ियों के समर्थन में गांवों के प्रतिनिधि पहुंचेंगे जंतर-मंतर, गोपाल राय की अगुवाई में बनी रणनीति

इस दौरान ग्रामीण इलाके के आप विधायक व पार्षद भी मौजूद रहेंगे और आंदोलन की आगे की रणनीति तैयार करेंगे। आप के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर इंसाफ की मांग को लेकर धरना दे रहे खिलाड़ियों के समर्थन में आप नेताओं के बाद अब उससे जुड़े ग्रामीण भी आ गए है। इस कड़ी में दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधि बुधवार को जंतर-मंतर पर पहुंचेंगे।

इस दौरान ग्रामीण इलाके के आप विधायक व पार्षद भी मौजूद रहेंगे और आंदोलन की आगे की रणनीति तैयार करेंगे। आप के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

मंत्री गोपाल राय ने कहा कि देश का नाम रोशन करने वालीं बेटियां पिछले नौ दिनों से धरना दे रही हैं। ये बेटियों मच्छरों की मार झेल रही है और सोमवार को बारिश में भी डटी रहीं। कभी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इन खिलाड़ियों पर गर्व हुआ करता था, लेकिन आज जंतर-मंतर पर बैठी बेटियों की आवाज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है।

हिंदू कॉलेज शिक्षक सुसाइड केस: 'कॉलेज ने 2-2 बार भाई को जॉब से निकाला, सुसाइड नहीं हत्या है ये'; बहन के आरोप

राजस्थान के बारा जिले के रहने वाले समरवीर सिंह 2017 से हिंदू कॉलेज में तदर्थ शिक्षक के रूप में दर्शनशास्त्र पढ़ा रहे थे। फरवरी में चयन प्रक्रिया के दौरान उनको स्थायी नहीं किया गया था। इसके बाद से वे परेशान थे। बुधवार रात को फंदा लगाकर जान दे दी थी।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में तदर्थ शिक्षक रहे समरवीर की खुदकुशी के बाद उनकी बहन का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इसमें वे हिंदू कॉलेज प्रशासन पर आरोप लगा रहीं हैं कि उनकी गलत नीतियों के चलते उनके भाई की जान गई है।

अपने वीडियो में उन्होंने समरवीर की खुदकुशी को संस्थागत हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदू कॉलेज जिम्मेदार है।

नियुक्ति की नई नीति ने ली मेरे भाई की जान

तदर्थ शिक्षकों की नियुक्ति के लिए लाई गई नीति ने उनकी जान ली है। उन्होंने कहा कि उनके भाई छह साल से पढ़ा रहे थे। वे एक होनहार छात्र रहे थे। उनकी पढ़ाने में कमी थी तो छात्रों से पूछा जाए।

उन्होंने अपने वीडियो में कहा है कि हिंदू कॉलेज से निकालने के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया था। इस दरम्यान उनका चयन अतिथि शिक्षक के तौर पर दूसरी जगह हो गया था। लेकिन, हिंदू कॉलेज से लगाव के चलते वे वहां पढ़ाने नहीं गए थे। वे खुश रहने लगे थे।

15 दिन बाद दोबारा निकाला

15 दिन बाद उन्हें दोबारा से बाहर कर दिया गया। यह एक बेरोजगार युवक के साथ किस तरह का मजाक है। उन्होंने कहा जॉब जाने के बाद वे हायर फैकल्टी, अपने साथियों, शिक्षक संघों से मदद मांगने गए थे। उनकी किसी ने मदद नहीं की।

उन्होंने कहा, समरवीर ने उन्हें फोन किया था, कहा था दिव्या मुझे बेरहमी से चार मिनट के इंटरव्यू में निकाल दिया। वे घर से मदद लेना नहीं चाहते थे। उन्हें बीमार मां और पिता की फिक्र थी। मेरे भाई को न्याय मिलना चाहिए।

हिंदू कॉलेज की प्राचार्य से इस बारे में बात करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वहीं इस मामले में क्रांतिकारी युवा संगठन ने डीयू की आर्ट फैकल्टी के बाहर प्रदर्शन कर न्याय की मांग की।

बता दें कि राजस्थान के बारा जिले के रहने वाले समरवीर सिंह 2017 से हिंदू कॉलेज में तदर्थ शिक्षक के रूप में दर्शनशास्त्र पढ़ा रहे थे। फरवरी में चयन प्रक्रिया के दौरान उनको स्थायी नहीं किया गया था। इसके बाद से वे परेशान थे। बुधवार रात को उन्होंने फंदा लगाकर जान दे दी थी।

तिहाड जेल में टिल्लू ताजपुरिया के सरिया घौंपा- मौत

गैंगवार के सिलसिले में दोस्त बने दुश्मन का हुआ अंत

एस डी सेठी

14 अप्रैल: प्रिंस तेवतिया की हत्या

2 मई : टिल्लू की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में साल 2021 में जज के सामने ही सरेआम गैंगस्टर गोगी की गोलियां मार कर हत्या करवाने वाले टिल्लू ताजपुरिया की आज मंगलवार को सुबह-सवेरे ही गोगी की मौत का बदला जेल में लगी लोहे की छड को तोड़कर उसके पेट में घौपकर मौत के घाट उतार दिया।

इस हमले में वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। जेल कर्मियों ने उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की आगे की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि जुर्म की दुनिया के बादशाह (गैंगस्टर) बनने से पहले गैंगस्टर टिल्लू-गोगी, डीयू के श्रद्धानंद कालेज में पढे थे। यह जोडी दोस्ती के लिए मशहूर थी। अपनी कॉलेज लाइफ के दोनों दोस्तों टिल्लू ताजपुरिया और जितेंद्र गौगी ने मिलकर क्राइम की दुनिया में खलबली मचा दी थी। शुरू में कैंपस में दमगई से लेकर जुर्म की दुनियां के खूनखराबे तक इन दोनों दोस्तों ने कोई कसर नहीं छोडी। मगर कैंपस की दोस्ती आपसी दुश्मनी में बदलकर कब गैंगवार में बदल गई। दरअसल पहले से ही एक स्टूडेंट द्वारा टीचर के खून के दाग धो रहे कालेज कैंपस को टिल्लू ताजपुरिया और जितेंद्र गोगी ने भी बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोडी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रद्धानंद कालेज दिल्ली सरकार के तहत आता है। श्रद्धानंद कालेज स्पोर्ट्स एंड गेम्स के लिए बेस्ट माना जाता है। यहां से पास आउट छात्रों ने जनीति,खेल,और प्रशासनिक ओहदों पर बडे पद हांसिल किए है। लेकिन इसी कालेज के गोगी और टिल्लू जैसे छात्रों ने खूनखराबे से उन सबका नाम मिट्टी में मिला दिया। बता दें कि करीब 22 साल पहले, 2001 में बॉटनी टीचर डॉ.एम एन सिंह को एक इसी नस्ल के स्टूडेंट ने नक्ल करने से मना करने की एवज में काउंसिल ड्यूटी के दौरान कुर्सी पर बैठे-बैठे उक्त लेक्चरर के सीने में चार गोलियां उतार दी। घटना के बाद वो छात्र भी जुर्म की दुनिया में लंबे वक्त छाया रहा। हालांकि बाद में उसका भी एंकाउंटर हो गया था। जेल सूत्रों के मुताबिक आज तिहाड जेल में भी ग्रिल काटी, पहली मंजिल से कूदे और सूए से करीब 40 बार हमला कर गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को मौत के घाट उतार दिया।

गोगी गैंग के सरगना जितेंद्र सिंह गौगी और टिल्लू गैंग के सरगना सुनील मान उर्फ टिल्लू की तिहाड जेल में मंगलवार 2 मई को हत्या कर दी गई। इससे पहले जितेंद्र सिंह उर्फ गोगी की सरेआम रोहिणी कोर्ट रूम में जज के सामने हत्या कर दी गई थी।दोनों कभी दोस्त रहे ।साल 1991में दिल्ली से सटे अली पुर गांव के मिडिल क्लास परिवार के थे।

दुश्मनी कालेज के चुनाव के दौरान साथी के मुकाबले में टिल्लू ने भी अपने दोस्त का नामांकन भरवा दिया। तब तक आपसी कोई तकरार नहीं थी। लेकिन चुनाव के दौरान ही टिल्लू के गुरूप वालों ने गोगी के एक साथी अरूण उर्फ कमांडो को पीट दिया। इतने भर बाद गोगी ने अपने बाकी साथियों के साथ मिलकर बदला लिया। बताते हैं कि टिल्लू के साथियों ने गोलियां चलाकर हमला बोल दिया। बस इसी के बाद टिल्लू नीरज बावनिया सिंडिकेट से जुड गया था। वहीं गोगी को दिल्ली पर गुंडई के बल पर राज करने का सपना संजोय उसने क्रूरता की सभी हदें पार कर हिंसा के जरिये अपना दबदबा कायम रखना शुरू कर दिया। आज जुर्म की दुनिया का अंतिम अंजाम के तहत दुनिया से अलविदा हो गये। खून खराबे की दुनिया में जाना और बहके कदमों को वापस खींचना मुश्किल ही नहीं अंतः मौत ही है।

आम आदमी पार्टी के सांसद ने इस तरह के आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया है

घोटाले में राघव चड्ढा का उछला नाम, उन्होंने रिपोर्ट को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया

दिल्ली के शराब घोटाला मामले में ईडी की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अब आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा का भी नाम होने की बात कही जा रही है। हालांकि उन्होंने इस बात का खंडन किया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के शराब घोटाला मामले में ईडी की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अब आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा का नाम आने की बात कही जा रही है। ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में इस बात की जानकारी दी गई है कि सिसोदिया के पूर्व सचिव सी अरविंद ने जांच एजेंसी को बताया था कि मनीष सिसोदिया के घर पर हुई बैठक में राघव चड्ढा मौजूद थे। हालांकि, चार्जशीट में राघव चड्ढा को आरोपी नहीं बनाया गया है। आम आदमी पार्टी के सांसद ने इस तरह के आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया है और कहा कि कुछ मीडिया संस्थान तथ्यात्मक रूप गलत जानकारी दे रहे हैं।

इस चार्जशीट के हवाले से कहा जा रहा है कि मनीष सिसोदिया के आवास पर पंजाब सरकार के एसीएस वित्त, आबकारी आयुक्त वरुण रूजम, एफसीटी और पंजाब आबकारी के अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें विजय नायर के अलावा राघव चड्ढा भी मौजूद थे।

राघव चड्ढा ने दी प्रतिक्रिया

राघव चड्ढा ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज की गई शिकायत में मुझे अभियुक्त के रूप में नामित किए जाने वाले समाचार लेख/रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। यह मेरी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने के लिए एक दुर्भावनापूर्ण प्रचार का हिस्सा लग रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर की गई किसी भी शिकायत में मुझे आरोपी या संदिग्ध के रूप में नामित नहीं किया गया है। उक्त शिकायतों में मुझ पर किसी प्रकार का कोई आरोप नहीं है।

आप सांसद ने आगे कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि शिकायत में मेरा नाम किसी बैठक में उपस्थित व्यक्ति के रूप में उल्लेखित है, हालांकि इस तरह के आरोप लगाने का आधार स्पष्ट नहीं है। मैं उक्त बैठक के संबंध में या अन्य किसी भी तरीके से किसी भी कथित अपराध में होने का स्पष्ट रूप से खंडन करता हूं। मैं मीडिया और प्रकाशन गृहों से अनुरोध करता हूं कि वे कोई गलत रिपोर्टिंग न करें और इस मुद्दे को स्पष्ट करें, अन्यथा मैं कानूनी कार्रवाई करने के लिए विवश हो जाऊंगा।

3 बहनों के इकलौते भाई की बर्बर हत्या: स्कूल में बदल जाता उसका सेक्शन तो बच जाती जान, टीचर से की थी ये शिकायत

पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में पता चला कि सौरभ ने उन्हें स्कूल में सिगरेट पीते देख लिया था और अधिकारियों को बताने की धमकी दी थी इसलिए उसे मार दिया।

नई दिल्ली। बदरपुर के मोलड़बंद इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां स्कूल गए 12 वर्षीय बच्चे को उसके ही क्लासमेट्स ने पत्थरों से कूच-कूच कर जान ले ली और फिर उसका शव एक नाले के पास छोड़ गए। मृतक बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। वह ताजपुर पहाड़ी स्थित एक सरकारी स्कूल में आठवीं का छात्र था और परिवार का इकलौता बेटा था। सौरभ की मौत के बाद से ही उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सौरभ तीन बहनों का एक ही भाई था। भाई की मौत के बाद से ही बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उनका एक ही सवाल है कि अब वो किसे राखी बांधेंगी। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में पता चला कि सौरभ ने उन्हें स्कूल में सिगरेट पीते देख लिया था और अधिकारियों को बताने की धमकी दी थी, इसलिए उसे मार दिया।

काश बदल देते सौरभ की क्लास का सेक्शन

सौरभ की मां दर्पण ने भी कहा था कि उसके बेटे को स्कूल के कुछ छात्र परेशान करते थे और कक्षा में तरह-तरह का नशा भी करते थे। इससे सौरभ को उसकी कक्षा का नया सेक्शन पसंद नहीं आ रहा था और उसने शिक्षकों से अपना सेक्शन बदलने के लिए भी कहा था। लेकिन, अन्य सेक्शन में जगह न होने से यह संभव नहीं हो सका।

दर्पण ने बताया कि सौरभ गुरुवार को स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो मामले की सूचना पुलिस को दी और फिर उन्हें बच्चे का शव मिलने की सूचना मिली। वहीं, मामले के एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, दो लड़कों ने बच्चे को वहां मारकर फेंक दिया था, जिसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को कॉल करके दी थी।

जून तक साहिबाबाद से दुहाई तक दौड़ेगी रैपिड रेल

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ/गाजियाबाद। दिल्ली से मेरठ के बीच सुगम व त्वरित यातायात के लिए बन रहे देश के पहले रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के पहले चरण का काम करीब पूरा हो चुका है। करीब 17.2 किलोमीटर लंबे पहले चरण के रूट पर ट्रायल रन पूरा करने के बाद अब कामर्शियल रन शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। संभावना है कि जून तक गाजियाबाद के साहिबाबाद से दुहाई के बीच रैपिड रेल का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए रेल सुरक्षा आयक्त को रैपिड रेलवे ट्रैक के निरीक्षण के लिए पत्र लिखा जा चुका है। रेल सुरक्षा आयुक्त से अनापत्ति मिलने के साथ ही इस रूट पर रैपिड रेल दौड़ाई जाएगी।

केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर दिल्ली से मेरठ के बीच रैपिड रेल चलाने के लिए आरआरटीएस का काम शुरू किया था। करीब 82 किमी. लंबे मार्ग का निर्माण काफी तेजी से कराया जा रहा है। इसमें पहले चरण का काम करीब समाप्त हो चुका है। पहले चरण के 17.2 किमी. मार्ग पर फरवरी में कराए गए ट्रायल रन के सफल होने के बाद अब इस रेल खंड पर रैपिड रेल की नियमित परिचालन शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए दुहाई यार्ड में रैपिड रेल कॉरिडोर के ऑपरेशन एंड कमांड कंट्रोल सेंटर का निर्माण का काम भी अंमित चरण में है। पूरे रूट पर चलने वाली सभी रैपिड ट्रेनों का संचालन और नियंत्रण संचालन इसी केंद्र से किया जाएगा

पहले चरण में पांच स्टेशन पर दौड़ेगी रैपिड रेल

पहले चरण के रैपिड रेल मार्ग पर पांच स्टेशन होंगे। इनमें साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर और दुहाई शामिल हैं। इस रेल मार्ग पर रैपिड रेल 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी, जो देश की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन होगी। योजना के मुताबिक दिल्ली से मेरठ के रूट पर कुल 30 रैपिड रेल चलाने की योजना है, लेकिन फिलहाल सिर्फ 13 ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा।

2025 तक पूरा होगा काम

दिल्ली से मेरठ तक बन रही आरआरटीएस की काम दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जबकि मार्च 2024 तक साहिबाबाद से मेरठ खंड और साहिबाबाद से दिल्ली खंड का काम पूरा करने के लिए दिसंबर 2025 तक की समय सीमा तय की गई है। पूरे रेल मार्ग में कुल 24 स्टेशन होंगे।

ट्रायल का काम पूरा हो चुका है। रेलवे ट्रैक की सुरक्षा जांचने के लिए रेल संरक्षा आयुक्त कार्यालय को सूचना भेज दी गई है। वहां के अधिकारी रेलवे ट्रैक का निरीक्षण करके जल्द ही अपनी रिपोर्ट देंगे। उनकी एनओसी मिलने के बाद रैपिड रेल का कामर्शियल रन शुरू कर दिया जाएगा।

-नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव आवास एवं नियोजन उप्र

कागजों में कर दिया निस्तारण, मौके पर चल रहा अवैध निर्माण

गाजियाबाद। नगर निगम में ऑनलाइन आ रहीं शिकायतों का कागजों में निस्तारण किया जा रहा है। विजयनगर जोन के वार्ड 48 में नगर निगम की जमीन पर कुछ लोग अवैध निर्माण कर रहे हैं। मामले में की गई शिकायत के बाद निगम ने अवैध निर्माण ढहा दिया। इसके बावजूद दोबारा से जनीन पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि निगम ने मामले को पोर्टल पर निस्तारित दिखा दिया है।

फरवरी में नगर निगम में शिकायत की गई थी कि निगम की जमीन पर कुछ लोग अवैध निर्माण कर रहे हैं। इसके बाद निगम की टीम ने मौके पर जाकर निर्माण को ध्वस्त करा दिया। 19 अप्रैल को शिकायतकर्ता योगेंद्र ने दोबारा अवैध निर्माण की शिकायत की। 22 अप्रैल को निगम के संपत्ति विभाग की ओर से तहसीलदार को पत्र लिखकर 23 मई को जमीन की पैमाइश कराने की मांग की गई। इसी के साथ निगम ने मामले का निस्तारण कर दिया। बावजूद इसके जमीन पर निर्माण चल रहा है।

आचार संहिता लगने के 20 दिन बाद तक निगम में 800 शिकायतें विभन्नि जोन से दर्ज की गईं। निगम का दावा है कि करीब सात सौ शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। 110 शिकायतें मौजूदा समय में लंबित हैं। सबसे अधिक शिकायतें सीवर और नाले से संबंधित हैं।

अधिकारी चुनाव में लौट रहे फरियादी

नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में व्यस्त हो गए हैं। अधिकारियों के नहीं मिलने से फरियादी बैरंग वापस लौट रहे हैं। विजयनगर जोन से अजय सांगवान नाला ओवरफ्लो की समस्या लेकर नगर निगम पहुंचे थे लेकिन अधिकारी के नहीं मिलने पर वह लौट गए। राजेंद्र नगर से दिनेश कौशिक मेजर मोहित शर्मा चौक के पास अधूरे निर्माण से हो रही समस्या के समाधान के लिए पहुंचे थे लेकिन अधिकारी नहीं मिले तो लौट गए।

सबसे अधिक नाले और सीवर की समस्या

निगम के पोर्टल पर 110 शिकायतें हैं लंबित हैं। इनमें सीवर नाले से संबंधित शिकायतें 60 फीसदी हैं। मोहननगर जोन में सबसे अधिक नाला ओवरफ्लो होने और सीवर चोक होने की समस्या है। वसुंधरा दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर विजयनगर, चौथे नंबर पर सिटी जोन और पांचवें नंबर पर कविनगर जोन है।

नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ का कहना है कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाता है। निस्तारण के बाद क्रास चेक किया जाता है। यदि कोई निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली सभी शिकायतों का समय से निस्तारण कर दिया गया है।

इनसाइड

टैक्स चोरी मामले से बचाने का झांसा देकर 17.40 लाख हड़पे

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार में टैक्स चोरी के मामले में जेल जाने का डर दिखाकर बचाने के नाम पर 17.40 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को ब्यूरो सतर्कता विभाग में अधिकारी बताकर धोखाधड़ी की है। मामले में पीड़ति ने पुलिस आयुक्त से शिकायत कर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में केस दर्ज कराया है। सिद्धार्थ विहार निवासी बाबू रामपाल का कहना है कि उनके एक रिश्तेदार ने उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उन्हें बिना जानकारी दिए एक फर्जी फर्म बनाकर इनकम टैक्स की चोरी कर ली। मामले में उन्हें जनवरी 2022 में नोटिस मिला तो इसकी जानकारी हुई। मामले में वह संबंधित अधिकारी के सामने पेश हुए। जिन्होंने पूछताछ और बयान दर्ज कर दस्तावेजों की फोटो कॉपी लेकर वापस भेज दिया। इसके बाद उन्हें दूसरा नोटिस मिला तो उन्होंने दोबारा बयान दर्ज कराए। उनका कहना है कि इस बीच उनके एक भांजे ने मोहननगर के रहने वाले राजीव कुमार से मिलवाया। राजीव कुमार ने खुद को ब्यूरो सतर्कता विभाग दिल्ली में आईओ की पोस्ट पर तैनात बताया। आरोप है कि राजीव ने उन्हें मामले की फाइल अपने पास ट्रांसफर कराकर केस खत्म करने की बात कही और जीएसटी कार्यालय कौशांबी में जान-पहचान बताई। आरोप है कि राजीव ने उनके दस्तावेज लिए और कहा कि इनकम टैक्स अधिकारी उनकी बात हो गई है। इसके बाद रिश्वत के नाम पर साढ़े पांच लाख रुपये ले लिए। इसके बाद उसने कहा कि मामले में उनके खिलाफ एक केस धौलाना थाने में दर्ज है। उसे खत्म करने के लिए भी उसने रकम ले ली। ऐसा करके उसने उनसे 22.20 लाख रुपये ले लिए। फर्जीवाड़े का पता चलने पर उन्होंने उससे रुपये वापस मांगे तो उसने करीब चार लाख रुपये लौटा दिए बाकी रकम देने से इन्कार कर दिया। एसीपी वेव सिटी रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरटीई में चयनित बच्चों का स्कूल करा रहे सत्यापन, भड़के अभिभावक

गाजियाबाद। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) की लॉटरी में नाम आने वाले बच्चों के दाखिले करने की जगह स्कूलों की ओर से स्टाफ को घर भेजकर अलग से सत्यापन कराने अभिभावकों में आक्रोश हैं। आरटीई में प्रवेश न मिलने और स्कूलों की मनमानी से परेशानी अभिभावकों ने गाजियाबाद पैरेंट्स एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि कई स्कूल प्रवेश देने से साफ इन्कार कर रहे हैं। अब बच्चों के घरों में स्कूल कर्मचारियों को भेजकर सर्वे और सत्यापन के नाम पर परेशान किया जा रहा है। पैरेंट्स एसोसिएशन के साथ बीएसए कार्यालय पर पहुंचे अभिभावकों का हंगामा प्रदर्शन करीब चार घंटे चला। बीएसए के कार्यालय में मौजूद नहीं होने से अभिभावक धरने पर बैठ गए। हंगामे पर पहुंची पुलिस के समझाने के बावजूद अभिभावक धरने पर बैठे रहे। एसडीएम विनय कुमार की ओर से बीएसए के बुलंदशहर बैठक में होने और एसीपी को ज्ञापन सौंपने को भी अभिभावक राजी नहीं हुए। फिर करीब दो बजे पहुंचे बीएसए विनय कुमार मिश्र को अभिभावकों ने ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी व उपाध्यक्ष पवन शर्मा ने कहा कि ज्ञापन सौंपकर दाखिला नहीं देने, अलग से सत्यापन कराने और मनमानी करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इस मौके पर धर्मेंद्र यादव, कौशल ठाकुर, नरेश कुमार, विनय कक्कड़, पवन शर्मा, कौशलेंद्र सिंह, राजू सैफी, विवेक त्यागी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

15 मई के बाद स्कूलों की जांच कर कराएंगे दाखिले

बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार मिश्र का कहना है कि स्कूल स्टाफ के बच्चों के घर जाकर सत्यापन कराना बिल्कुल गलत है। आरटीई में दाखिला नहीं देने वाले स्कूलों की शिकायतें मिली हैं। जल्द ऐसे स्कूलों की जांच के लिए कमेटी गठित की जाएगी। 15 मई के बाद टीमें स्कूलों का निरीक्षण कर दाखिले कराएंगी।

स्कूल के अंदर घुसने नहीं दे रहे

विजयनगर निवासी अश्वनी तोमर का कहना है कि बच्चे को इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल आवंटित हुआ है। विभागीय स्तर से आवंटन पत्र जारी होने के बावजूद स्कूल दाखिला तो दूर विद्यालय परिसर के अंदर तक प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं।

अल्पसंख्यक स्कूल बता प्रवेश से इन्कार

मसूरी निवासी मुस्तफा का कहना है कि बच्चे को क्रिस्त राजा हाईस्कूल आवंटित हुआ है। स्कूल प्रबंधन अल्पसंख्यक श्रेणी का हवाला देते हुए दाखिला करने से इन्कार कर रहा है। विभागीय स्तर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

कभी झगड़ा किया न थाने गए, पुलिस ने फिर भी कर दिया पाबंद

गाजियाबाद। कभी झगड़ा किया न कभी थाने-चौकी गए, आस-पड़ोस वालों से भी कुशल व्यवहार है। किसी ने उनकी कभी कोई शिकायत नहीं की फिर भी पुलिस ने उन्हें मुचलका पाबंद कर दिया। अब उन्हें कचहरी, थाने-चौकी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। ऐसे कई लोग पुलिस पर आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस ने उनके बेवजह मुचलके भर दिए हैं।

पुलिस ने नगर निकाय चुनाव शांतिपूर्ण तरीके संपन्न कराने व चुनाव में मतदान के दौरान मतदाता को प्रभावित करने, चुनावी माहौल बिगाड़ने, बूथ कैप्चरिंग समेत अन्य किसी भी तरीके से चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं, उन्हें चिह्नित किया है। चिह्नित लोगों का पुलिस ने मुचलका भर उन्हें नोटिस जारी किया है। अंदेशा जताते हुए पुलिस करीब 11 हजार लोगों के मुचलके भर चुकी है। इनमें से अभी तक 5278 लोगों को पुलिस नोटिस जारी कर चुकी है।

नौकरी करता हूं कभी किसी मामूली झगड़े में भी नहीं है नाम

क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के इंद्र कॉलोनी निवासी 54 वर्षीय खेमचंद का कहना है कि वह नौकरी करते हैं। कभी उनका किसी से मामूली झगड़ा भी नहीं हुआ और न कोई मुकदमा है। इसके बावजूद पुलिस ने उनका मुचलका भर दिया। नोटिस मिलने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई है। पता नहीं किसने उनका नाम लिखवाया है।

किसी से नहीं किया झगड़ा फिर भी भर दिया मुचलका

लोनी निवासी 45 वर्षीय नरेश त्यागी का कहना है कि वह माता रानी के जागरण करते हैं। कभी उनका किसी से झगड़ा नहीं हुआ न किसी से मतभेद है। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें मुचलका पाबंद कर दिया। अब उन्हें थाने-चौकी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए आपराधिक किस्म के लोगों का तो मुचलका पाबंद किया जाता है, इसके अलावा जिन लोगों से चुनावी माहौल बिगाड़ने का अंदेशा रहता है उन्हें भी पाबंद किया जाता है। इससे किसी व्यक्ति का चरित्र प्रभावित नहीं होता है।

- अजय कुमार मिश्रा, पुलिस आयुक्त

आंकड़ा

थानों से भेजी गई 107/116 की रिपोर्ट की संख्या- 1305
धारा 107/116 के व्यक्तियों की संख्या- 10934
जारी नोटिस- 5278
नोटिस तामिल- 4246
पाबंद- 2854

ग्राम मिनी सचिवालय का ताला काटकर, लाखों की चोरी

मोदीनगर। भोजपुर गांव के ग्राम मिनी सचिवालय में रविवार रात बदमाशों ने धावा बोलकर वहां से लाखों रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। बदमाशों ने मिनी सचिवालय का आरी से ताला काटकर घटना को अंजाम दिया। सीसीटीवी कैमरों से बदमाशों की पहचान नहीं हुई। भोजपुर गांव में मुख्य मार्ग के समीप मिनी सचिवालय बना हुआ है। यह सचिवालय जिले के आदर्श सचिवालयों में शुमार है। सचिवालय में गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों का कंट्रोल रूम भी बना हुआ है। आरोप है कि रविवार रात अज्ञात बदमाश आरी से मुख्यद्वार पर लगा ताला काट कर अंदर दाखिल हुए और सचिवालय का सामान चोरी कर ले गए। ग्राम प्रधान शाहिद चौधरी ने बताया कि बदमाश सचिवालय से चार बैटरी और इनवर्टर तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। इसके अलावा बदमाशों ने सचिवालय के फर्नीचर आदि को भी काफी नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, मगर बदमाशों की पहचान नहीं हो सकी। एसीपी रितेश त्रिपाठी का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

इनसाइड

हीरो स्पलेंडर प्लस के मुकाबले कितनी दमदार है होंडा शाइन 100, कौन किस मामले में बेहतर

भारतीय बाजार में हीरो और होंडा दोनों कंपनियों की बाइक्स अधिक सेल होती है। हाल के दिनों में लॉन्च की गई होंडा शाइन 100 का मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। हीरो और होंडा दोनों ही कंपनियां भारतीय बाजार में आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। ये तो आपने भी खुद अनुभव किया होगा कि भारतीय सड़कों पर अधिकतर हीरो और होंडा की बाइक्स दिखाई देती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शाइन 100 के लॉन्च के साथ 100 सीसी मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखा है। नई 2023 होंडा शाइन 100 को भारतीय बाजार में 64,900 रुपये एक्स-शोरूम में लॉन्च किया गया है और इसका मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए एंट्री-लेवल 100cc कम्यूटर मोटरसाइकिल की तुलना लेकर आए हैं।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus डिजाइन और कलर

डिजाइन के मामले में, इन दोनों मोटरसाइकिल का लुक ही लोगों को अधिक पसंद आता है। वाहन निर्माता कंपनी ने होंडा शाइन 100 को पांच कलर ऑप्शन में पेश किया है, जबकि स्प्लेंडर प्लस बारह पेंट कलर ऑप्शन में ही आती है।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus इंजन और गियरबॉक्स

Honda Shine 100 में 99.7cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 7.6 bhp और 8.05 Nm का टार्क जनरेट करती है। दूसरी ओर, हीरो स्प्लेंडर प्लस में 97.2cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड मोटर मिलता है जो 7.9 bhp और 8.05 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये दोनों मोटरसाइकिलें 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा ये 60-70 kmpl का माइलेज देती है। नई होंडा शाइन 100 के साथ-साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस स्पोर्ट टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल स्प्रिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। दोनों में ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों ओर ड्रम ब्रेक द्वारा ब्रेकिंग ड्यूटी है।

2023 Ducati Monster SP 15.95 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च, शक्तिशाली इंजन के साथ प्रीमियम फीचर्स से लैस

2023 Ducati Monster SP में ब्लैक-आउट ट्रीटमेंट और पैसेंजर सीट काउल के साथ मोटोजीपी-प्रेरित लिवरली मिलती है। डुकाटी इंडिया ने भारतीय बाजार में 2023 Ducati Monster SP को 15.95 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की है।

नई दिल्ली। डुकाटी इंडिया ने भारतीय बाजार में 2023 Ducati Monster SP को 15.95 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की है। डुकाटी ने एक बयान में कहा कि देश में कंपनी के सभी डीलरशिप पर इस 937-सीसी इंज वाली बाइक के लिए बुकिंग शुरू हो गई है और इसकी डिलीवरी भी तुरंत शुरू हो जाएगी। नई Monster SP में क्या कुछ है खास, आइए जान लेते हैं।

2023 Ducati Monster SP में क्या नया

2023 Ducati Monster SP में ब्लैक-आउट ट्रीटमेंट और पैसेंजर सीट काउल के साथ मोटोजीपी-प्रेरित लिवरली मिलती है। बाइक में एलईडी डीआरएल के साथ प्रोजेक्टर स्टाइल की हेडलाइट, कॉम्पैक्ट फ्लाई-स्क्रीन, एकीकृत फ्रंट टर्न इंडिकेटर्स के साथ एक मस्कुलर फ्यूल टैंक, स्टेप-अप सीट, साइड-स्लंग ट्विन-पॉड एग्जॉस्ट और 17-इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

2023 Ducati Monster SP के फीचर

मॉन्स्टर एसपी को फुल-एलईडी लाइटिंग और 4.3 इंच का कलर टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है। वहीं आप इसमें डुकाटी मल्टीमीडिया सिस्टम और हीटेड ग्रिप्स जैसे फीचर्स को वैकल्पिक रुप से चुन सकते हैं। बाइक का कंसोल एक लैप टाइमर, फ्यूल गेज और हवा के तापमान सहित कई रीडआउट शो करता है।वहीं इलेक्ट्रॉनिक राइडर एड्स में लॉन्च कंट्रोल सिस्टम, तीन राइड मोड्स (स्पोर्ट, रोड और वेट), कॉर्नरिंग एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, व्हीली कंट्रोल, पावर मोड्स और क्विक-शिफ्टर शामिल हैं।

2023 Ducati Monster SP का इंजनकंपनी ने

2023 Ducati Monster SP में एक 973cc, ट्विन-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है जो 9,250rpm पर 109.9bhp की शक्ति और 6,500rpm पर 93Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।मोटरसाइकिल में 14 लीटर का फ्यूल टैंक दिया गया है और इसका कुल वजन 186 किलोग्राम है।

2023 Ducati Monster SP किसे देगी टक्कर

भारतीय बाजार में नई Monster SP का मुकाबला ट्रायम्फ स्ट्रीट ट्रिपल आरएस, बीएमडब्ल्यू एफ 900 आर और कावासाकी जेड900 से होने वाला है। जैसा कि आपको, नई मॉन्स्टर एसपी की बुकिंग पूरे भारत में शुरू हो गई है और इसकी डिलीवरी जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

Renault Kiger RXT(O) ट्रिम को मिले प्रीमियम फीचर्स, कार की कीमत में भी की गई कटौती

रेनो ने काइगर के इस वेरिएंट में अब अतिरिक्त रूप से 16-इंच अलॉय व्हील वायरलेस Apple CarPlay और Android Auto 8.0-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम फुल एलईडी हेडलैंप और टेल-लैंप ऑफर किए हैं। कार की कीमत भी पहले से 26 हजार रुपये कम है। (फाइल फोटो)।

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी रेनो ने भारत में अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक Renault Kiger के एक नए वेरिएंट को लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे किफायती दामों के साथ बेहतरीन फीचर्स दने का प्रयास किया है। रेनो ने काइगर के इस ट्रिम को RXT(O) नाम दिया है। वहीं दूसरी ओर कंपनी काइगर के टॉप-स्पेक RXZ ट्रिम पर आकर्षक लाभ भी दे रही है। आइए जानते हैं कि पूरी खबर क्या है।

Renault Kiger RXT(O) के फीचर

रेनो ने काइगर के इस वेरिएंट में अब अतिरिक्त रूप से 16-इंच अलॉय व्हील, वायरलेस Apple CarPlay और Android Auto, 8.0-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, फुल एलईडी हेडलैंप और टेल-लैंप ऑफर किए हैं। कंपनी इन्हे अभी तक केवल RXZ ट्रिम में ही पेश करती थी। इंजन की बात करें तो आरएक्सटी (ओ) ट्रिम मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ही इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध होगा। इसे 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है।

Renault Kiger की कीमत घटी

सबसे दिलचस्प बात यह है कि नए फीचर्स को शामिल करने के बावजूद भी कार निर्माता ने इस स्पेशल ट्रिम की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। कंपनी Kiger RXT(O) को पहले 8.25 लाख-10.68 लाख रुपये के बीच सेल करती थी, लेकिन इसकी कीमतें 7.99 लाख रुपये से शुरू होती हैं जो पहले से 26 हजार रुपये कम हैं। आपको बता दें कि Kiger के RXZ ट्रिम पर भी 91 हजार रुपये तक के ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इसमें 10 हजार रुपये का नकद लाभ, 20 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस, 12 हजार रुपये तक के कॉर्पोरेट लाभ और 49 हजार रुपये तक के लॉयल्टी लाभ शामिल हैं।

Renault Kiger के इंजन और ट्रिम्स

Kiger को दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाता है। इसमें एक 72hp की शक्ति वाला 1.0-लीटर, 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है जो 5-स्पीड मैनुअल या AMT गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। वहीं दूसरी ओर कार में 100hp की शक्ति के साथ 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन भी है जिसे 5-स्पीड मैनुअल या CVT ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। Kiger कुल चार ट्रिम्स RXE, RXT, RXT(O) और RXZ में उपलब्ध है।

सेकेंड हैंड कार खरीदते समय इन 5 चीजों का जरूर रखें ख्याल, मिलेगी बेहतरीन डील

सेकेंड हैंड कार खरीदने जा रहे हैं उसके मौजूदा इंश्योरेंस पेपर हैं या नहीं। पेपर के साथ यह भी जांच लें कि कार से कोई दुर्घटना या क्लेम तो नहीं किया गया है।

नई दिल्ली। लोग अक्सर सेकेंड हैंड कार खरीदते समय ठग जाते हैं। इसका मुख्य कार गाड़ी संबंधित कम जानकारी होना है। इसलिए अगर आप भी यूज्ड कार खरीदने जा रहे हैं तो इस खबर को जरूर पढ़ें, जहां आपको 5 टिप्स बताएं गए हैं। इनकी मदद से आप अच्छी डील कर सकते हैं।

गाड़ी की कंडीशन चेक करें

अपनी जरूरतों के आधार पर एक सही कार खोजने के बाद कार की स्थिति की जांच करना पहला और महत्वपूर्ण कदम है। कार स्थिति (कंडीशन) का मतलब है कि इंटीरियर, एक्सटीरियर, फ्रेमिंग, टायर, इंजन, माइलेज, ओडोमीटर, टेस्ट ड्राइव और इंजन सहित बहुत सी चीजें हैं जिन्हें चेक करना काफी जरूरी है, ताकि आप कार के हेल्ड की जांच कर सकें। इन पैरामीटर को चेक करने के बाद ही आपको सही कीमत तय कर पाएंगे।

सर्विस हिस्ट्री चेक करें

बहुत बार ऐसा होता है कि गाड़ी खरीदने की इतनी जल्दी रहती हैं कि लोग सर्विस हिस्ट्री के बारे में पूछना भूल जाते हैं। आप अगर सेकेंड हैंड कार देखने जा रहे हैं तो संबंधित सर्विस हिस्ट्री से जुड़े डॉक्यूमेंट्स जरूर चेक करें।

इंश्योरेंस पेपर चेक करें

सेकेंड हैंड कार खरीदने जा रहे हैं, उसके मौजूदा इंश्योरेंस पेपर हैं या नहीं। पेपर के साथ यह भी जांच लें कि कार से कोई दुर्घटना या क्लेम तो नहीं किया गया है। जानकारी के लिए बता दें, वाहन इंश्योरेंस पॉलिसी पर इसे देखने का तरीका यह है कि लागू किए गए नो क्लेम बोनस (NCB) प्रतिशत पर ध्यान दें।

टेस्ट ड्राइव जरूर लें

वाहन को खरीदनें से पहले उसके ब्रेक की जाँच करें। कार को ऐसी जगह कम से कम 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाएं जिसमें ट्रैफिक कम हो। ब्रेक पैडल से किसी भी कंपन या किसी भी अजीब आवाज का एहसास हो तो तुरंत मैकेनिक से परामर्श लें।

Toyota ने लॉन्च किए Innova Crysta के दो नए वेरिएंट, बेस मॉडल से कितनी पावरफुल?

MPV के अपडेटेड वर्जन को चार वेरिएंट्स में पेश किया गया है जिसमें G GX VX और ZX वेरिएंट शामिल है। इसमें इको और पावर ड्राइव मोड भी ऑफर किया गया है जिसे बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरिएंस मिलने वाला है।

नई दिल्ली। इनोवा क्रिस्टा भारत में सबसे अधिक फेसम कारों में से एक है। कंपनी अपने ग्राहकों को और भी फीचर लोडेड सुविधा देने के लिए दो हाइ स्पेसिफिकेशन मॉडल को लॉन्च कर दिया है, जिसका नाम VX और ZX वेरिएंट है। इस वेरिएंट की शुरूआती कीमत 23.79 लाख (ex-showroom)। अब इनोवा क्रिस्टा कुल चार वेरिएंट में उपलब्ध होगी।

इनोवा क्रिस्टा कलर और वेरिएंट

2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की बुकिंग रुपये में खुली है। 50,000, और मॉडल की डिलीवरी अभी चल रही है। MPV के अपडेटेड वर्जन को चार वेरिएंट्स में पेश किया गया है: G, GX, VX और ZX। ग्राहक सुपर व्हाइट, एटिट्यूड ब्लैक माइका, ब्रॉन्ज मैटेलिक, सिल्वर मैटेलिक और प्लेटिनम व्हाइट पर्ल जैसे पांच कलर ऑप्शन में अपनी ये ड्रीम कार चुन सकते हैं।

इनोवा क्रिस्टा इंजन

नई इनोवा क्रिस्टा को पावर देने वाला 2.4-लीटर, चार-सिलेंडर डीजल इंजन है, जो 148bhp और 343Nm का टार्क जेनरेटल करता है। इसके इंजन को केवल पांच-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। साथ ही ऑफर के लिए इको और पावर ड्राइव मोड हैं।

मिलते हैं ये एडवांस फीचर्स

टोयोटा इनोवा क्रिस्टा फेसलिफ्ट में अपडेटेड फेस मिलता है। चारों तरफ क्रोम इंसर्ट और टेल लाइट्स के बीच एक ब्लैक इंसर्ट मिलता है। फीचर्स के लिहाज से देखें तो सात इसमें सेफ्टी को देखते हुए 7 एयरबैग, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, ईबीडी के साथ एबीएस, ब्रेक असिस्ट, आठ-तरफा पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, आठ इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी, एंबिएंट लाइट, सेकेंड रो सीट पैसेंजरों के टच टंबल फंक्शन दिया गया है।

2023 इनोवा क्रिस्टा की वेरिएंट अनुसार कीमतें

इनोवा क्रिस्टा वीएक्स फ्लाइट 7एस: 23.79 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

इनोवा क्रिस्टा वीएक्स फ्लाइट 8एस: 23.84 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

इनोवा क्रिस्टा वीएक्स 7एस: 23.79 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

इनोवा क्रिस्टा वीएक्स 8एस: 23.84 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

मजबूत डिजिटल ढांचे की अहमियत

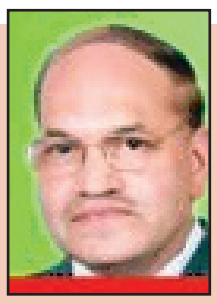

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। निश्चित रूप से डिजिटल समानता से समाज के सभी वर्गों की पहुंच डिजिटल प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ गई है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है'

इन दिनों देश और दुनिया के विभिन्न प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में डिजिटलीकरण से आर्थिक कल्याण और अर्थव्यवस्था के विकास का नया दौर दिखाई दे रहा है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)के द्वारा प्रकाशित वर्किंग पेपर 'स्टैकिंग अप द बेनेफिट्स लेसन्स फ्रॉम इंडियाज डिजिटल जर्नी' में कहा गया है कि डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद की है और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर डीबीटी)में मदद की है। साथ ही मार्च 2021 तक डिजिटल बुनियादी ढांचे और अन्य डिजिटल सुधारों के कारण व्यय में जीडीपी का लगभग 1.1 फीसदी बचाया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) की सराहना दुनिया भर में की जा रही है। इस समय देश में करीब 47.8 करोड़ से अधिक जनधन खातों, (जे) करीब 134 करोड़ से अधिक आधार कार्ड (ए) और 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) के तीन आयामी जैम से आम आदमी डिजिटल दुनिया से जुड़ गया है। भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। निश्चित रूप से डिजिटल समानता से समाज के सभी वर्गों की पहुंच डिजिटल प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ गई है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है। उल्लेखनीय है कि 3 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई के डायमंड जुबली समारोह में कहा कि सरकार ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक डीबीटी के जरिए करीब 27 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे लाभान्वितों के बैंक खातों तक पहुंचाई गई है। केंद्र सरकार के द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी से सीधे सब्सिडी जमा कराए जाने से करीब सवा दो लाख करोड़ रुपए बिचौलियों के हाथों में जाने से बचाए गए हैं।

निसंदेह भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है। सरकारी योजनाओं के तहत बिचौलियों के भ्रष्टाचार को रोकने, काम के भौतिक रूपों व सरकारी कार्यालयों में लंबी कतारों से राहत और घरों में आराम से मोबाइल स्क्रीन पर कुछ क्लिक करके विभिन्न सेवाओं, सुविधाओं और मनोरंजन की सहज उपलब्ध सुविधाएं हैं। ज्ञातव्य है कि जहां केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की 450 से अधिक सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने में बड़ी कामयाबी मिली है, वहीं लोगों की सुविधाएं बढ़ी हैं। देश में सौ से अधिक सरकारी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। पहले बैंक, गैस, स्कूल, टोल, राशन हर जगह कतारें होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। सरकारी दफ्तर आपकी मुठ्ठियों में रखें मोबाइल तक पहुंच गए हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि छोटे उद्योग, कारोबार के लिए सरल ऋण और रोजगार सृजन हेतु अप्रैल 2015 को डिजिटल रूप से लागू प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत मार्च 2023 तक 40.82 करोड़ लोन खातों में 23.2 लाख करोड़ रुपए पहुंचाए गए हैं। इसी तरह अटल पेंशन योजना, भारत बिल भुगतान प्रणाली, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्टैंड अप इंडिया और तत्काल भुगतान सेवा, डिजिटल आयुष्मान भारत मिशन से भी समाज के करोड़ों लोग लाभांवित हो रहे हैं। डिजिटल पैमेंट के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और भारत में अमरीका, यूके और जर्मनी जैसे बड़े देशों को पीछे कर दिया है। ये सब सेवाएं भारत में डिजिटल गवर्नेंस के एक नए युग की प्रतीक हैं।

इतना ही नहीं किसानों के समावेशी विकास में भी डीबीटी की अहम भूमिका है। एक जनवरी 2023 से डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) के तहत 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक 27 फरवरी 2023 तक किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 किस्तों में 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में डीबीटी से सीधे करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हस्तांतरित किए जा चुके हैं। यह अभियान दुनिया के लिए मिसाल बन गया है और इससे छोटे किसानों का वित्तीय सशक्तिकरण हो रहा है। वस्तुतः देश में बढ़ते हुए डिजिटलीकरण ने रोजगार के नए डिजिटल अवसर भी पैदा किए हैं। कोरोना की चुनौतियों के बीच भारत के आईटी सेक्टर के द्वारा समय पर दी गई गुणवत्तापूर्ण सेवाओं से वैश्विक उद्योग, कारोबार इकाइयों का भारत की आईटी कंपनियों पर भरोसा बढ़ा है। डिजिटल इकोनॉमी के तहत कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, ट्रांजेक्शन, डेटा एनालिसिस, सायबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड, हॉस्पिटेलिटी आदि क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के चमकीले मौके बढ़ते जा रहे हैं। ये मौके भारत की नई पीढ़ी के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में विस्तारित हो रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीच्यूट के द्वारा वैश्विक रोजगार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में डिजिटल ढांचे की मजबूती के कारण अर्थव्यवस्था में वर्ष 2025 तक डिजिटलीकरण से करीब 2 करोड़ से अधिक नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देश में डिजिटल रुपए के नए दौर की जिस तरह शुरुआत की है, यह आने वाले दिनों में गेमचेंजर साबित हो सकती है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि देश में विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर एक अरब से अधिक लोगों के डेटा को सुरक्षित बनाए रखने के लिए साइबर स्वच्छता केंद्र (सीएके) अहम भूमिका निभा रहा है। लेकिन मजबूत डिजिटल ढांचे की विभिन्न उपयोगिताओं के बावजूद इस समय देश में डिजिटलीकरण के तहत स्टार्टअप, डिजिटल शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग, भुगतान समाधान, स्वास्थ्य तकनीक, एग्रीटेक आदि की डगर पर जो बाधाएं और चुनौतियां दिखाई दे रही हैं, उनके समाधान हेतु तत्परतापूर्वक कदम उठाए जाने जरूरी हैं। हम उम्मीद करें कि सरकार आईएमएफ के वर्किंग पेपर के मद्देनजर देश के मजबूत डिजिटल ढांचे को ध्यान में रखते हुए जहां और अधिक सेवाओं को डिजिटलीकरण की छतरी में लाएगी, वहीं दुनिया के जरूरतमंद देशों को भी डिजिटल ढांचे से लाभांवित करेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार नई शिक्षा प्रणाली के तहत भारत में डिजिटलीकरण को अधिक गतिशील बनाने के लिए नई पीढ़ी को नए दौर की डिजिटल स्किल्स और उन्नत प्रौद्योगिकियों से शिक्षित प्रशिक्षित करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार देश में अधिक तकनीकी एवं वैज्ञानिक सोच, डेटा तक सरल पहुंच, स्मार्टफोन की कम लागत, निर्बाध कनेक्टिविटी, बिजली की सरल आपूर्ति, जैसी जरूरतों पर और अधिक ध्यान देंगी। हम उम्मीद करें कि इस समय जब इस वर्ष 2023 में भारत की मुठ्ठियों में जी-20 की अध्यक्षता है तब भारत के द्वारा जी-20 सदस्यों के बीच आम सहमति से एक लाभपूर्ण और सुरक्षित साइबर स्पेस के लिए प्रभावी पहल की जाएगी।

संपादक की कलम से

कर्नाटक के 'मन की बात'

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के जरिए जनता-जनार्दन का आह्वान तो किया है। उनसे लगातार जुड़े रहे हैं। देश के 100 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यह कार्यक्रम देखा और सुना है। संयुक्त राष्ट्र तक में 100वें एपिसोड का सीधा प्रसारण देखा गया, लेकिन अब कर्नाटक के 'मन की बात' भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। उसे जानने-सुनने का वक्त आ गया है। कर्नाटक में भाजपा सत्तारूढ़ है और 2004 से 2019 तक प्रत्येक लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें भाजपा जीतती रही है। अब चिंता कर्नाटक विधानसभा की है। भाजपा की 'अग्नि-परीक्षा' जैसी स्थितियां हैं, क्योंकि जो ख़बरें सामने आ रही हैं और जो सर्वे किए गए हैं, उनका सारांश यह है कि कांग्रेस के पक्ष में 'अंडर करंट' है। कांग्रेस को फायदा हो सकता है। स्पष्ट बहुमत के आसार भी जताए जा रहे हैं। भाजपा सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों, मुद्दों और लोकप्रियता के आसरे ही है, लिहाजा 7 मई तक उनकी 16 जनसभाओं और रोड शो के आयोजन तय कर लिए गए हैं।

कर्नाटक एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां प्रधानमंत्री ने जनवरी से अप्रैल तक 9 दौरे किए हैं। किसी भी तरह प्रधानमंत्री कर्नाटक में सत्ता-विरोधी लहर को थामना चाहते हैं, लिहाजा प्रयास ये भी किए जा रहे हैं कि जनादेश त्रिशंकु आए, ताकि कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखा जा सके। भाजपा की रणनीति है कि जनता दल-एस के कुमार स्वामी को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की जाए और भाजपा जद-एस के साथ गठबंधन सरकार बना सके। बहरहाल यह तो 13 मई को स्पष्ट होगा कि जनादेश किसके पक्ष में, कितना, रहता है, लेकिन 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार, मुस्लिम आरक्षण, जातीय जनगणना, स्थानीय मुद्दे, किसानी और रेवड़ियां आदि पर कन्नड़ की जनता स्पष्ट प्रतिक्रियाएं दे रही है। भ्रष्टाचार और दलाली बेहद अहं मुद्दे बन चुके हैं। जाहिर है कि वे भाजपा के खिलाफ ही जा रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार को देश भर की 'कड़वी हकीकत' बताने की कोशिश की है। कांग्रेस प्रधानमंत्री को जो 91 गालियां दे चुकी है, उस पर भी जनता की तल्खी और नाराजगी तय करने की कोशिश खुद प्रधानमंत्री ने की है। प्रधानमंत्री कर्नाटक को देश का 'नंबर वन' राज्य बनाना चाहते हैं। सबसे अधिक विदेशी निवेश इस बार कर्नाटक में आया है। अमूमन यह मुंबई में आता रहा है, क्योंकि वह देश की आर्थिक राजधानी है। उद्योग फल-फूल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और जद-एस की 'गारंटियों' को बेमानी करार दिया है। हालांकि अभी तक यह परिभाषित नहीं है कि जन-कल्याण और मुफ्तखोरी की रेवड़ियों के बीच अंतर क्या है? अपनी-अपनी सुविधा से परिभाषाएं तय की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने आगाह किया है कि दोनों ही विपक्षी दल 'वंशवादी' हैं और परिवार के बाहर उन्हें किसी की भी चिंता नहीं है। बयान कुछ भी देते रहें। वायदे कुछ भी करते रहें। कर्नाटक के चुनाव में 'जातीयता' का मुद्दा भी रंग दिखाएगा। कर्नाटक में मुख्य तीन क्षेत्र हैं। ओल्ड मैसूर में जद-एस, हैदराबाद कर्नाटक में कांग्रेस और बंबई कर्नाटक में भाजपा के पुराने वर्चस्व रहे हैं। यह वर्चस्व और जनाधार आज भी है, लेकिन प्रतिशत में अंतर आ सकता है। भाजपा का पूरा फोकस यह रहा है कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार नहीं रही, तो वहां के लोगों पर डबल मार पड़ेगी। विकास ठप हो सकता है और देशद्रोही संगठनों को फिर से सक्रिय किया जा सकता है। प्रधानमंत्री और भाजपा की इन चेतावनियों से चुनाव कितना प्रभावित होता है और लोग भाजपा की ओर धुरवीकृत होते हैं, यह जनादेश के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। अलबत्ता भाजपा नेताओं का ही अनौपचारिक तौर पर मानना है कि 50-55 सीटें अनिर्णय की स्थिति में हैं। पलड़ा किसी भी ओर झुक सकता है। कर्नाटक दक्षिण भारत में प्रवेश के लिए भाजपा का एक दुर्ग है। यदि यही ढह जाता है, तो केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना में भाजपा की अस्वीकार्यता बढ़ सकती है।

राय

भर्तियों के नीलामघर

बेरोजगारों को मंडी बना कर लूट रहे, चयन आयोग की प्रक्रिया में न जाने कितने छेद और निकलेंगे, लेकिन कम से कम यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस सरकार ने आते ही इस गोरखधंधे को बेपर्दा करके, नाइंसाफी के कबूतरखाने को सदा-सदा के लिए बंद करने की इच्छाशक्ति दिखाई है। एक और कर्मचारी चयन परीक्षा ने रोजगार की महत्त्वाकांक्षा का चीरहरण किया है। इस बार सचिवालय क्लर्क भर्ती के प्रश्नपत्र पर लीक होने के दाग सामने आए हैं। विशेष जांच दल के हाथ में आयोग दफ्तर के बाहर ही ढाबा मालिक की आई गर्दन बता रही है कि कारनामों की बेशर्मी किस स्तर तक बेखौफ रही है। यह महाशय कर्मचारी चयन आयोग की बेनामी संपत्ति की तरह आबाद थे या पेपर लीक मामलों की परतें कितनी रहस्यमयी और दलाली पर अमादा हो रही हैं, हर अन्वेषण के बाद दांतों तले अंगुली चबानी पड़ती है। परत दर परत जूनियर ऑडिटर, कम्प्यूटर आपरेटर, कला अध्यापक, ट्रैफिक इंस्पेक्टर और सचिवालय क्लर्क भर्ती तक पहुंची जांच की समानताओं में अब तक यह साबित हो चुका था कि किस हद तक आयोग की पद्धति में सुराख थे और एक संगठित गिरोह भर्तियों का नीलाम घर बना, युवाओं को लूट रहा था। बेशक पेपर लीक मामले में मोटे और छोटे पुलिस की पकड़ में लगातार आ रहे हैं, लेकिन इस अपराध का एक लंबा सिलसिला प्रदेश की व्यवस्था से प्रश्रय प्राप्त करता रहा है। यही प्रश्रय पुलिस भर्ती पेपर लीक का भी सरगना रहा तो चयन आयोग के बाहर 'पेपर लीक' की व्यवस्था को आंखें मूंद स्वीकार कर रहा था। ऐसे में हर भर्ती और सरकारी नौकरी की हर खिडक़ी पर वर्षों से चल रहे गोरखधंधे ने अब युवाओं के विश्वास, आत्मबल, भविष्य के सपनों, काबिलीयत और ईमानदार प्रतिबद्धता पर चोट पहुंचाई है। हर चयन परीक्षा के नतीजों में कितनी खुराफात हुई होगी, इसका अंदाजा लगाना भी अब अपमान सरीखा है। हर दफ्तर में कोई न कोई नियुक्ति अगर इन्हीं रास्तों से निकल कर पहुंच रही है, तो पहुंचधारियों की जमात में राजनीति के दुष्चक्र और भी गंभीर होंगे। पता नहीं धरती कितनी बार फटेगी और हर बार इसी से युवाओं की आहें निकलेंगी। अब यह भी सोचें कि हिमाचल में सरकारी नौकरी के पीछे कितने चोर दरवाजे और कितने दलाल खड़े हैं। जो अब भी कहते हैं कि सुक्खू सरकार ने क्यों हमीरपुर कर्मचारी चयन आयोग को भंग किया, उन्हें मालूम हो जाना चाहिए कि तमाम परीक्षापत्रों की बोरियों में कितने पाप के घड़े भरे हैं। यह अब भर्ती परीक्षाओं की सफाई का प्रश्न है, तो आइंदा सारी पद्धति को फिर से विश्वसनीय बनाने का फर्ज भी है। देश की तमाम भर्ती एजेंसियों तथा केंद्रीय आयोग से निकली आदर्श पद्धतियों पर गौर फरमा रही दीपक सानन समिति की सिफारिशों पर निर्भर करेगा कि आइंदा राज्य चयन आयोग के दरवाजे किस रूप-प्रारूप में खोले जाते हैं। बेशक नए सिरे से ताज पहनकर राज्य कर्मचारी चयन आयोग लौटेगा, लेकिन संस्थान को अपनी मर्यादा, कार्यसंस्कृति व ईमानदारी के पथ पर चलने के लिए हर आगामी परीक्षाओं में खुद की परीक्षा भी देनी पड़ेगी। कर्मचारी चयन किसी सरकार की उपलब्धियों का आंकड़ा न होकर, जब तक राज्य की जरूरतों का पैमाना नहीं बनेंगे, हर भर्ती में आशंकाओं का दरिया बहेगा। देखना यह भी होगा कि कब प्रदेश भर्ती पेपर लीक मामलों से तौबा करके नए पथ का निर्माण कर पाता है। यह अभियान सानन रिपोर्ट या चयन आयोग की पुनस्र्थापना से ही पूरा नहीं होगा, बल्कि इसकी स्वतंत्र व निष्पक्ष कार्यप्रणाली के प्रमाणित आधार पर ही होगा। प्रदेश में हर ऐसी या केंद्रीय चयन परीक्षाओं के लिए सोलन, धर्मशाला, हमीरपुर व मंडी में राज्य परीक्षा केंद्रों की अधोसंरचना विकसित करके इन्हें डिजिटली कर्मचारी चयन आयोग व अन्य ऐसे संस्थानों से जोडऩा होगा। कई परीक्षाएं कम्प्यूटरीकृत आधार पर विश£षण करेंगी, तो कई भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों की गोपनीयता को सशक्त करने के लिए इनके आबंटन की कई श्रृंखलाएं खड़ी की जा सकती हैं।

प्रताप सिंह पटियाल

पाकिस्तान को दर्द का एहसास कराना होगा

मजहब के नाम पर वजूद में आया पाकिस्तान आज तक ऐसा कोई मुकाम हासिल नहीं कर सका जिसमें वो भारत का मुकाबला कर सके। चार युद्धों में शर्मनाक शिकस्त का दंश झेल कर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गत 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत। पुंछ हमले में पंजाब के शहीद सिपाही कुलवंत सिंह के पिता बलवंत सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में इसी कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। दरअसल भारत के खिलाफ जेहाद पाकिस्तान की विचारधारा बन चुका है। 22 अक्तुबर 1947 को कश्मीर पर किए गए हमले को पाक सिपहसालारों ने जेहाद का ही नाम दिया था। 1947 के उस हमले में घुसपैठिया युद्धकला के मास्टरमांइड मेजर अकबर खान ने 'आपरेशन गुलमर्ग' नामक सैन्य मिशन की कयादत करके श्रीनगर का फातिम बनने का जहालत भरा ख्वाब देखा था मगर भारतीय सेना के पलटवार के बाद अकबर खान को युद्धभूमि से भाग कर जान बचानी पड़ी थी। कश्मीर के महाज पर जिल्लत भरी शिकस्त व नाकामी के बदनुमां दाग से अफसुर्दा होकर अकबर खान ने 1950 में रावलपिंडी में पाक सैन्य बगावत को अंजाम दिया था।

अपनी किताब 'रेडर्स इन कश्मीर' में अकबर खान ने खुद इसका जिक्र किया था। सन-1965 में जनरल अयूब खान ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' के तहत कश्मीर को हथियाने का दुस्साहस किया था। पांच सितंबर 1965 को 'तीन डोगरा' बटालियन के 17 जवानों ने अपना बलिदान देकर इसी पुंछ के मोर्चे पर पाक फौज को धूल चटाकर कश्मीर को बचाया था। 'तीन डोगरा' के हिमाचली शूरवीर कैप्टन प्रेम सिंह 'वीर चक्र' तथा सिपाही सुखराम 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) ने उस आपरेशन जिब्राल्टर के खिलाफ अहम किरदार अदा किया था। 1971 के युद्ध में इसी पुंछ के मोर्चे पर हिमाचली सूरमा कर्नल कश्मीरी लाल रतन 'महांवीर चक्र' तथा कर्नल पंजाब सिंह 'वीर चक्र' ने सिख बटालियन का नेतृत्व करके पाक फौज की पेशकदमी को ध्वस्त करके पुंछ को महफूज रखने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। जनरल याहिया खान के दौरे हुकूमत में दुनिया की चश्म ए पलक ने वो नजारा भी देखा जब बांग्लादेश के रामना रेसकोर्स गार्डन में भारतीय सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पाक फौज को पाकिस्तान की गैरत को नीलाम करने पर मजबूर कर दिया था।

कश्मीर पर तमाम नाकामियों तथा तीन युद्धों में पाक सेना की करारी शिकस्त का हिस्सा रहे पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत का सफ्फाक चेहरा जनरल 'जिया उल हक' मार्च 1976 को पाक सेना के आठवें सिपहसालार बने थे। जनरल जिया भारतीय सेना के आक्रामक तेवरों को भलिभांति जानते थे कि प्रत्यक्ष युद्ध में पाक फौज भारतीय सेना का सामना नहीं कर सकती। अतः 1980 के दशक में जिया उल हक ने भारत के विरूद्ध 'ऑपरेशन टोपाक' नाम से 'वार विद लो इंटेसिटी' का मंसूबा तैयार किया था। जनरल जिया को ऑपरेशन टोपाक का मशवरा देने वाले आईएसआई के तत्कालीन सरवराह व अफगान जेहाद के अहम किरदार जनरल अख्तर अब्दुल रहमान थे। जिला उल हक ने ही अफगानिस्तान के 'कोल्ड वार' में सोवियत संघ की सेनाओं के खिलाफ पाक के पेशावर शहर को अमरीका के हवाले कर दिया था। भावार्थ यह है कि आंतक व पाकिस्तान का चोली दामन का साथ रहा है। पाक हुक्मरानों की आंतक नीति का खामियाजा कश्मीर के साथ पाकिस्तान भी भुगत रहा है। जिया उल हक झूठी हसरत पाल बैठे थे कि ऑपरेशन टोपाक के तहत कश्मीर पाक का हिस्सा बन जाएगा मगर 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन मेघदूत' को अंजाम देकर सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करके जिया उल हक के अरमानों को ध्वस्त कर दिया था। सियाचिन में पाक फौज की शिकस्त से मायूस होकर पाकिस्तान की मारूफ सियासी लीडर बेगम बेनजीर भुट्टो ने जनरल जिया उल हक को हिजाब पहनने का मशवरा दे डाला था।

अपनी हैसियत व औकात से बड़े ख्वाब देखना पाक जरनैलों की खासियत रहा है। पाकिस्तान की जम्हुरियत फौजी बूटों से लहुलुहान होकर कठपुतली बन चुकी है। पाकिस्तान के सियायतदान हर वक्त तख्ता पलट के खौफ में जीने को मजबूर रहते हैं मगर फिर भी मई के पहले हफ्ते में गोवा में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री तशरीफ ला रहे हैं। बुनियादी सवाल यह है कि क्या पाक विदेश मंत्री के समक्ष कारगिल युद्ध में पाक सेना के किरदार को बेनकाब करने वाले कैप्टन सौरभ कालिया व उनके पांच साथियों की हत्या का मुद्दा उठेगा। पुंछ में बलिदान हुए पांच जवानों की शहादत पर कोई जवाब तलब किया जाएगा। सरहद के पार भारत को दहलाने के मकसद से आंतकी कैंप चल रहे हैं। एलओसी पर आंतकी घुसपैठ जारी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए नशा व हथियारों की अवैध तस्करी हो रही है। अतः पाक विदेश मंत्री का खैर मकदम करने के बजाय भारत को अपने रुख पर कायम रहकर सख्त लहजे में सवाल दागने होंगे। क्रिकेट डिप्लोमेसी भी बंद होनी चाहिए। मुजाकरात, खेल तथा आंतक एक साथ नहीं चल सकते। बहरहाल पाक फौज की कश्मीर को हथियाने की मुद्दत की आरजू को खाक में मिलाकर भारतीय सैन्य पराक्रम शूरवीरता की कसौटी पर सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है। भारतीय सेना दुश्मन की सरजमीं में घुसकर दहशतगर्दों को नेस्तानाबूद करने की पूरी सलाहियत रखती है। पुंछ में जो हिमाकत हुई है पाकिस्तान को उसके दर्द का एहसास उसी लहजे में कराना होगा। यही हमारे बलिदानी जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

> *"सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है'*

चिंतन विचार

भूख, भक्त और भगवान

सोचा जिस तरह कथाओं या फिल्मों में अलग-अलग व्यंजनों और पकवानों के थाल प्रकट होते हैं, मेरे सामने भी स्वादिष्ट भोजन सज जाएगा। पर ऐसा कुछ न हुआ। झक मार कर, भूखे पेट मज़दूरी करनी पड़ी। तब कहीं दो निवाले पेट में गए।

भूख है कि मिटने में नहीं आती। बार-बार पेट भरना पड़ता है। एक बार भूख लगने पर खाने के बाद फिर खाना पड़ता है। कल खबर पढ़ी कि दिल्ली में तीन बहनें भूख से तड़प-तड़प कर चल बसीं। सोचा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश में अस्सी करोड़ गरीबों को हर महीने मिलने वाला मुफ्त पांच किलो गेहूं या चावल भी क्या इन तीन बहनों को नसीब नहीं हुआ होगा। अगले साल लोक सभा चुनाव हैं। हो सकता है अगले साल अन्न की मात्रा दोगुनी हो जाए। जहां तक भूख का प्रश्न है भूख तो दिल्ली में भी उतनी ही लगती होगी, जितनी बस्तर में। पर दिल्ली देश की राजधानी है। यहां लोगों को सत्ता के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। पूरी संभावना है देश की राजधानी की भूख बाकी इलाकों से कुछ ज्यादा हो। कमबख्त पेट की भूख जिस्म बूढ़ा होने पर भी नहीं बुढ़ाती। भूख के लिए अकाल ज़रूरी नहीं। भूख की सियासत पर दुनिया टिकी है। भूख पर विश्वास या अविश्वास जैसी कोई बात नहीं। भूख सत्य है, शाश्वत है। भक्त और भगवान कल्पनाधारित हैं, अवधारणा हैं। भूख वास्तविक है। विश्वास की सियासत केवल काल्पनिक बातों या अवधारणाओं पर चलती है। अगर भूख ख़तम हो जाए तो न भक्त रहेंगे और न भगवान। इसका अर्थ हुआ कि भूख, भक्त और भगवान की पर्याय नहीं। बंदा चाहे आस्तिक हो या नास्तिक, भगवान के बिना तो रह सकता है। पर रोटी के बिना नहीं। लोग कहते हैं भगवान भक्ति के भूखे हैं। पर भूखे पेट भजन नहीं होय गोपाला। केन्या में कुछ लोगों ने पादरी के कहने पर भूखे पेट स्वर्ग जाने की कोशिश की। सब माटी हो गए। कहां पहुंचे होंगे। अब यह पादरी भी न बता पाएगा। शायद इसे ही 'नौ नक़द न तेरह उधार' कहते हैं। अगर भूख पर धर्म जितनी बहस होती तो कम से कम भूख की समस्या हल हो सकती थी। मज़हब पर कुछ कहना मुश्किल है। एक कहानी में राजा को वरदान मिलने के बाद उसके हाथ से लगने वाली कोई भी चीज़ सोने की हो जाती थी। पर किसी कहानी में किसी गरीब के हाथ से लगने वाली किसी वस्तु के रोटी में बदलने का जिक्र नहीं आता। एक बार भूख लगने पर मैं भगवान के सामने दो दिन तक रोया-गिड़गिड़ाया।

सोचा जिस तरह कथाओं या फिल्मों में अलग-अलग व्यंजनों और पकवानों के थाल प्रकट होते हैं, मेरे सामने भी स्वादिष्ट भोजन सज जाएगा। पर ऐसा कुछ न हुआ। झक मार कर, भूखे पेट मज़दूरी करनी पड़ी। तब कहीं दो निवाले पेट में गए। अब सोचता हूं ऐसी भक्ति का क्या फायदा, जो दो क्या एक वक्त का खाना भी न दे सके। जो भगवान जीते जी लोगों को भोजन नहीं दे सकता, वह मरने के बाद स्वर्ग क्या देता होगा। हर धर्म ने अपने स्थानीय वातावरण के अनुसार ज़न्नत और ज़हन्नुम की कल्पना की है। जीते जी भले पीने को साफ़ पानी न नसीब हो, पर मरने के बाद पूरी गारंटी है कि ज़न्नत में शराब की नदियां मिलेंगी। मन बहलाने के लिए बला की ख़ूबसूरत हूरें रक्स करती ख़िदमत में हाजिऱ रहेंगी। किंतु यहां भी मर्द औरतों पर भारी हैं। कहीं भी फ़रिश्तों का तसव्वुर नहीं। स्त्री विमर्श में अभी किसी विद्वान ने ज़न्नत में औरतों के साथ भेदभाव का मुद्दा नहीं छेड़ा है। वर्ना अल्लाह मियां को जवाब देना मुश्किल हो जाता। भगवान का क्या है, वह तो एक छोटे से फूल या पत्ती से भी मान जाते हैं। पर पता नहीं अनगिन ग़ुनाह माफ़ करने वाला भगवान, ख़ुदा या गॉड ग़रीबों के लिए रोटियां या ब्रैड क्यों पैदा नहीं करता। अगर पास में रोटी न हो तो तसव्वुर में चांद भी रोटी लगता है। पूछ सकते हैं कि रब्ब सच्चा या भूख। चार दिन रोटी न मिलने पर पता चलता है कि वास्तविकता में भूख ही सत्य है। कई बार लगता है कि भगवान से हाथी की वह लीद भली, जिसमें आदिवासी अन्न के दाने ढूंढ़ते हैं और उन्हें मिल भी जाते हैं।

भारतीय मूल के एपल कर्मचारी को तीन साल की जेल, 138 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का है आरोप

अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय की ओर से जारी एक प्रेस बयान के अनुसार प्रसाद ने एपल पे का इस्तेमाल उन चीजों के लिए किया जो कंपनी को कभी नहीं मिलीं। प्रसाद ने 2008 से 2018 तक एपल की विश्वव्यापी सेवा आपूर्ति श्रृंखला में एक खरीदार के रूप में काम किया था।

नई दिल्ली। भारतीय मूल के एपल कर्मचारी धीरेंद्र प्रसाद को अमेरिका में तीन साल कैद की सजा सुनाई गई है। उसे कंपनी से 1.7 (लगभग 138 करोड़ रुपये) करोड़ डॉलर की चोरी करने के आरोप में लगभग 1.9 (लगभग 138 करोड़ रुपये) करोड़ डॉलर का भुगतान करने के लिए कहा गया है।

अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय की ओर से जारी एक प्रेस बयान के अनुसार प्रसाद ने एपल पे का इस्तेमाल उन चीजों के लिए किया जो कंपनी को कभी नहीं मिलीं। प्रसाद ने 2008 से 2018 तक एपल की विश्वव्यापी सेवा आपूर्ति श्रृंखला में एक खरीदार के रूप में काम किया था। उन पर मार्च 2022 में गड़बड़ी के आरोप लगे थे और पिछले साल नवंबर में एपल को धोखा देने और संबंधित अपराधों की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था।

अध्ययन के अनुसार प्रसाद ने रिश्वत लेने, पार्ट्स चुराने, चालान बनाने और फर्म्स को उन चीजों के लिए बिल देने की बात स्वीकार की, जो कभी डिलीवर नहीं किए गए। उन्होंने दो विक्रेता कंपनियों के मालिकों के साथ इन अपराधों में मिलीभगत करने और चकमा देने पर भी सहमति व्यक्त की।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, प्रसाद ने एपल में अपने पद का फायदा उठाया और अपने आपराधिक कृत्यों को छिपाने के लिए कंपनी की धोखाधड़ी का पता लगाने की प्रक्रियाओं से जुड़ी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल किया।

दिवालिया होने की कगार पर पहुंचा गो फर्स्ट

3-4 मई को नहीं उड़ेंगे विमान, DGCA ने किया शोकॉज

नई दिल्ली। गो फर्स्ट एयरलाइन ने अगले तीन दिनों के लिए अपनी बुकिंग बंद कर दी है। सीईओ कौशिक खोना के अनुसार फंड की भारी कमी के कारण 3 और 4 मई को उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित रखा जाएगा। पीएंडडब्ल्यू की ओर से इंजनों की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण गो फर्स्ट को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण 28 विमानों को खड़ा करना पड़ा है। दूसरी ओर, गो फर्स्ट ने आज दिल्ली में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) दिवालिया ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा 10 के तहत समाधान के लिए एक आवेदन दायर किया है। वहीं सूत्रों ने बताया है कि गो फर्स्ट एयरलाइन की 60 फीसदी से ज्यादा फ्लाइट ग्राउंडेड हो चुकी हैं। इन फ्लाइट्स के ग्राउंडेड हो जाने से कई सारी रूट्स पर एयरलाइन की बुकिंग कैंसिल हो रही है। कहा जा रहा है कि वाडिया के स्वामित्व वाली गो फर्स्ट ने तेल विपणन कंपनियों के बकाये के कारण तीन और चार मई के लिए उड़ानें निलंबित कर दी हैं।

एयरलाइन अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी के खिलाफ पहुंची है कोर्ट

इसके साथ ही एयरलाइन ने डेलावेयर संघीय अदालत में अमेरिकी इंजन निर्माता के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें एक मध्यस्थ आदेश को लागू करने की मांग की गई है, जिसमें प्रैट एंड व्हिटनी को एयरलाइन को इंजन प्रदान करने के लिए कहा गया है। ऐसा नहीं होने से एयरलाइन के बंद होने का खतरा है। गो फर्स्ट के पक्ष में 30 मार्च को दिए गए मध्यस्थता फैसले में कहा गया था कि यदि आपातकालीन इंजन प्रदान नहीं किए जाते हैं तो एयरलाइन को अपूरणीय क्षति का खतरा है।

एयरलाइन के 30 विमान 31 मार्च से हैं ग्राउंडेड

इस बीच एक तेल विपणन कंपनी के एक अधिकारी ने कहा है कि एयरलाइन कैश एंड कैरी मोड पर है, जिसका मतलब है कि उसे रोजाना जितनी उड़ानों का परिचालन करना है, इसके लिए भुगतान करना होगा। यह सहमति बनी है कि यदि भुगतान नहीं किया जाता है तो विक्रेता व्यवसाय बंद कर सकता है। एयरलाइन उद्योग के जानकारों के अनुसार गो फर्स्ट के 30 विमान 31 मार्च से खड़े हैं, इनमें नौ ऐसे हैं जिन पर पट्टे का भुगतान बकाया है। वहीं, एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार गो फर्स्ट के बेड़े में कुल 61 विमान हैं, जिनमें 56 ए320 नियो और पांच ए320सीओ शामिल हैं।

डीजीसीए ने कारण बताओ नोटिस जारी किया

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 3-4 मई तक नई बुकिंग रद्द करने के बाद गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डीजीसीए के अनुसार, उसके संज्ञान में आया है कि गो फर्स्ट ने क्रमशः 03-04 मई 2023 की सभी निर्धारित उड़ानों को रद्द कर दिया है। डीजीसीए को ऐसी रद्दीकरण के लिए कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई है। इस मामले में अनुसूची की मंजूरी के लिए शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है। डीजीसीएक के अनुसार इस प्रकार गो फर्स्ट रद्दीकरण और उसके कारणों को लिखित रूप में रिपोर्ट करने में विफल रहा है। गो फर्स्ट अनुमोदित अनुसूची का पालन करने में विफल रहा है जिससे यात्रियों को असुविधा होगी। गो फर्स्ट ने सीएआर, धारा 3, श्रृंखला एम और भाग 4 के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

इनसाइड

कहीं काम के दबाव में ऑफिस में सो रहे लोग, ये कंपनी सोने की दे रही छुट्टी, वो भी भारत में

नई दिल्ली: ऑफिस में कर्मचारियों को कई तरह की छुट्टी दी जाती हैं। इसमें सिक लीव, ईएल और सीएल शामिल होती हैं। लेकिन कई बार ऑफिसों में काम के दबाव के बीच लोगों को छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई थी। इसमें ट्विटर (Twitter) की एक कर्मचारी ऑफिस में बिस्तर लगाकर सोते हुए दिख रही थी। लेकिन अगर किसी ऑफिस में आपको सोने के लिए भी छुट्टी दी जाए तो आप क्या कहेंगे। एक कंपनी अपने कर्मचारियों को सोने के लिए छुट्टी दी है। ये कोई विदेशी कंपनी नहीं बल्कि भारत की कंपनी है। आज वर्ल्ड स्लीप डे (World Sleep Day 2023) पर बेंगलुरु की कंपनी ने अपने कर्मचारियों को यह अनोखा गिफ्ट दिया है। बेंगलुरु की एक फर्म ने अपने कर्मियों को अनोखा गिफ्ट दिया है। कंपनी ने इंटरनेशनल स्लीप डे (World Sleep Day 2023) पर सभी को छुट्टी दे दी है ताकि वे सो सकें। कंपनी ने कहा कि उसे यह घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है कि शुक्रवार 17 मार्च 2023 को अंतराष्ट्रीय नींद दिवस के मौके पर वैकल्पिक छुट्टी दी गई है।

सोने में 180 रुपये की गिरावट, चांदी 240 रुपये कमजोर हुई

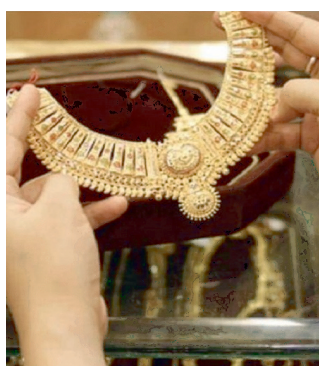

नई दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 180 रुपये की गिरावट के साथ 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इस दौरान चांदी भी 240 रुपये गिरकर 75,780 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। कमजोर वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 180 रुपये की गिरावट के साथ 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 240 रुपये गिरकर 75,780 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 180 रुपये की गिरावट के साथ 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "कीमतों में हालिया गिरावट के बाद और अक्षय तृतीया से पहले घरेलू बाजार में सोने की मांग में सुधार होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी गिरावट के साथ क्रमशः 2,003 डॉलर प्रति औंस और 25.15 डॉलर प्रति औंस कारोबार करते दिखे।

भारत इस साल करेगा जम्मू कश्मीर में मिले लिथियम भंडार की नीलामी, EV उद्योग को मिलेगी मजबूती

लिथियम एक है अलौह धातु है और ईवी बैटरी में प्रमुख घटक के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग अन्य बैटरी भंडारण प्रणालियों जैसे बिजली क्षेत्र में भी किया जाता है। लिथियम आयन बैटरी का उपयोग पवन टरबाइन और सौर पैनलों में किया जाता है।

नई दिल्ली। भारत सरकार जम्मू कश्मीर में हाल ही में मिले लिथियम भंडार की इसी साल नीलामी कर सकती है। केंद्रीय खनन सचिव ने इसके संकेत दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्रीय खनन मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने कहा है कि भारत 2023 में जम्मू कश्मीर में मिले लिथियम ब्लॉक्स की नीलामी करेगी। भारद्वाज ने कहा, 'लिथियम भंडार नीलामी के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार को लेन-देन सलाहकार की सिफारिश की है। इस साल की शुरुआत में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने पहली बार जम्मू-कश्मीर में लिथियम भंडार की खोज की थी।

जीएसआई ने जम्मू और कश्मीर (यूटी) के रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में 5.9 मिलियन टन के लिथियम भंडार का पता लगाया था। हाल के दिनों में लिथियम दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलने के कारण जम्मू कश्मीर में मिला लिथियम भंडार देश के लिए काफी अहम है। लिथियम वर्तमान में एक महत्वपूर्ण तत्व है।

लिथियम का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वीकल की बैटरी बनाने में होता है लिथियम एक है अलौह धातु है और ईवी बैटरी में प्रमुख घटक के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग अन्य बैटरी भंडारण प्रणालियों जैसे बिजली क्षेत्र में भी किया जाता है। लिथियम आयन बैटरी का उपयोग पवन टरबाइन और सौर पैनलों में किया जाता है। विश्व बैंक के एक अध्ययन से पता चलता है कि लिथियम (एलआई) और कोबाल्ट जैसी महत्वपूर्ण धातुओं की मांग 2050 तक लगभग 500 बढ़ जाएगी। प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में कहा था कि अगर भारत जम्मू-कश्मीर में हाल ही में खोजे गए लिथियम रिजर्व का उपयोग करेगा तो यह इलेक्ट्रिक वाहन खंड में दुनिया का नंबर एक ऑटोमोबाइल निर्माता बन सकता है।

जम्मू-कश्मीर के भंडार के साथ केंद्र ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए 2030 तक निजी कारों में 70 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों के लिए 80 प्रतिशत और दोपहिया और तीन पहिया वाहनों के लिए 80 प्रतिशत ईवी का लक्ष्य हासिल करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ सकता है। यह खोज ट्रांसफॉर्मेटिव मोबिलिटी और बैटरी स्टोरेज पर भारत के राष्ट्रीय मिशन को भी मजबूत करेगी।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत का आर्थिक उदय दुनिया के लिए अहम, एडीबी अध्यक्ष से मिलीं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। एडीबी मुख्यालय में सीतारमण ने कहा कि एडीबी को भारत को रियायती क्लाईमेट फाइनेंस मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का आर्थिक और विकासात्मक उदय क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम साबित होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एडीबी की वार्षिक बैठक के मौके पर एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है।

इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एडीबी के संप्रभु और गैर-संप्रभु संचालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण देश बना हुआ है और बैंक की उधार क्षमता बढ़ाने के लिए वह एडीबी की मदद करेगा। वित्त मंत्री ने एडीबी को सलाह दी है कि वह इस बात पर मंथन करे कि विकासशील देशों को असरकारी मदद कैसे मुहैया करायी जाए।

एडीबी मुख्यालय में सीतारमण ने कहा कि एडीबी को भारत को रियायती क्लाईमेट फाइनेंस मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का आर्थिक और विकासात्मक उदय क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम साबित होगा। एडीबी के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा ने कहा कि वह अपने सदस्य देशों को 100 अरब डॉलर मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने एडीबी के इनोवेटिव फाइनेंस फैसिलिटी में सहयोग के लिए भारत का आभार भी जताया।

2023 के वैश्विक विकास में भारत-चीन की रहेगी आधी हिस्सेदारी, एशिया की विकास दर 4.6 प्रतिशत होगी

एशिया और प्रशांत क्षेत्र 2023 में दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे गतिशील होंगे, यह मुख्य रूप से चीन और भारत के लिए उत्साहजनक दृष्टिकोण से प्रेरित होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस साल वैश्विक विकास में लगभग आधा योगदान देने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि दर 2022 में दर्ज 3.8 प्रतिशत से बढकर 2023 में 4.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। मंगलवार को जारी अपनी क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य- एशिया व प्रशांत रिपोर्ट में वाशिंगटन स्थित कोष ने कहा है कि यह क्षेत्र वैश्विक वृद्धि में करीब 70 प्रतिशत का योगदान देगा। रिपोर्ट के अनुसार एशिया और प्रशांत क्षेत्र 2023 में दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गतिशील होंगे और इसमें चीन व भारत का सबसे अहम योगदान होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र की इन दो सबसे बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का इस साल वैश्विक विकास में लगभग आधे का योगदान होगा। शेष एशिया और प्रशांत क्षेत्र बाकी बचे आधे के पांचवें हिस्से का योगदान देंगे।

एशियाई अर्थव्यवस्था की चाल भारत और चीन के विकास से प्रेरित होगी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'एशिया की गतिशीलता मुख्य रूप से चीन में सुधार और भारत में लचीली वृद्धि से प्रेरित होगी। हालांकि, शेष एशिया में विकास दर 2023 में अन्य क्षेत्रों के अनुरूप सबसे नीचे रहने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा कि 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष प्रतीत होता है क्योंकि वैश्विक विकास में गिरावट आई है। इसका कारण मौद्रिक नीति में सख्ती (ब्याज दरों में लगातार वृद्धि के माध्यम से) और यूक्रेन में रूस के युद्ध का आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा लगातार मुद्रास्फीति का दबाव और अमेरिका व यूरोप में वित्तीय क्षेत्र की हालिया समस्याएं पहले से ही जटिल आर्थिक परिदृश्य को कठिन बना रही है। इस बीच प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की दुनिया के सबसे प्रमुख उधारदाताओं में से एक सिलिकॉन वैली बैंक दस मार्च को ढह गया। बीते सोमवार को फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को भी नियामकों ने सीज कर लिया। ये हालिया घटनाक्रम वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका में कई बैंकों के डूबने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडराए

सिलिकॉन वैली बैंक समेत अमेरिका के कुछ क्षेत्रीय बैंकों के डूबने से वैश्विक बैंकिंग उद्योग में हलचल मच गई है। अर्थव्यवस्थाओं पर इसके संक्रमण के प्रभाव की आशंका पैदा हो गई है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में विकास को चीन की ओर से कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के विस्तार के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने से भी एक नई गति मिली है। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी दी कि इस गतिशील दृष्टिकोण का मतलब यह नहीं है कि क्षेत्र के नीति निर्माता आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम उठा सकते हैं। आईएमएफ ने कहा, 'मौद्रिक नीति तब तक सख्त रहनी चाहिए जब तक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में नहीं आ जाती। महंगाई के मामले में चीन और जापान अपवाद हैं, जहां उत्पादन क्षमता से कम है और मुद्रास्फीति कम रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओ पर भाजपा के दबाव मे झुठे प्रकरण दर्ज कर रहा जिला प्रशासन : सकलेचा

जिला प्रशासन बना भाजपा का एजेंट, पूर्व प्रकरणो मे 6माह मे भी आदेश पारित नही किया

उपेंद्र पाटोदिया

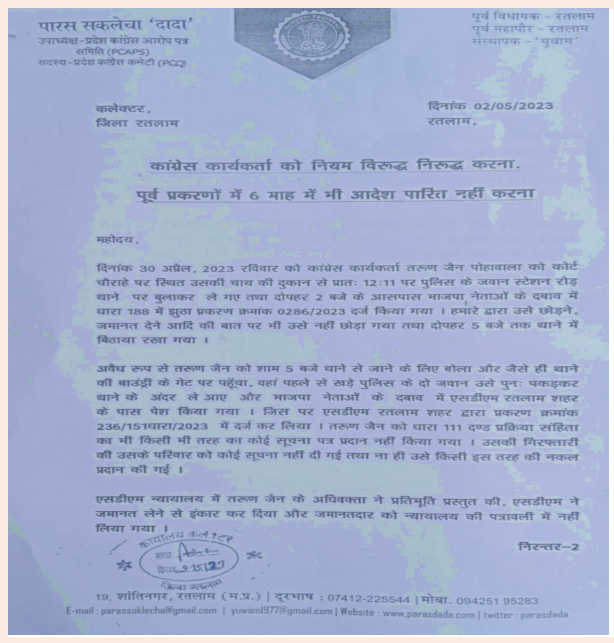

पारस सकलेचा 'दादा'
उपाध्यक्ष - प्रदेश कांग्रेस आरोप पत्र समिति (PCAPS)
सदस्य - प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC)

पूर्व विधायक - रतलाम
पूर्व महापौर - रतलाम
संस्थापक - 'युवाम'

कलेक्टर,
जिला रतलाम

दिनांक 02/05/2023
रतलाम,

कांग्रेस कार्यकर्ता को नियम विरूद्ध निरूद्ध करना.
पूर्व प्रकरणों में 6 माह में भी आदेश पारित नहीं करना

महोदय,

दिनांक 30 अप्रैल, 2023 रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता तरूण जैन पोहावाला को कोर्ट चौराहे पर स्थित उसकी चाय की दुकान से प्रातः 12:11 पर पुलिस के जवान स्टेशन रोड थाने पर बुलाकर ले गए तथा दोपहर 2 बजे के आसपास भाजपा नेताओं के दबाव में धारा 188 में झुठा प्रकरण क्रमांक 0286/2023 दर्ज किया गया । हमारे द्वारा उसे छोड़ने, जमानत देने आदि की बात पर भी उसे नहीं छोड़ा गया तथा दोपहर 5 बजे तक थाने में बिठाया रखा गया ।

अवैध रूप से तरूण जैन को शाम 5 बजे थाने से जाने के लिए बोला और जैसे ही थाने की बाउंड्री के गेट पर पहुँचा, वहां पहले से खड़े पुलिस के दो जवान उसे पुनः पकड़कर थाने के अंदर ले आए और भाजपा नेताओं के दबाव में एसडीएम रतलाम शहर के पास पेश किया गया । जिस पर एसडीएम रतलाम शहर द्वारा प्रकरण क्रमांक 236/151धारा/2023 में दर्ज कर लिया । तरूण जैन को धारा 111 दण्ड प्रक्रिया संहिता का भी किसी भी तरह का कोई सूचना पत्र प्रदान नहीं किया गया । उसकी गिरफ्तारी की उसके परिवार को कोई सूचना नहीं दी गई तथा ना ही उसे किसी इस तरह की नकल प्रदान की गई ।

एसडीएम न्यायालय में तरूण जैन के अधिवक्ता ने प्रतिभूति प्रस्तुत की, एसडीएम ने जमानत लेने से इंकार कर दिया और जमानतदार को न्यायालय की पत्रावली में नहीं लिया गया ।

निरन्तर–2

19, शांतिनगर, रतलाम (म.प्र.) | दूरभाष : 07412-225544 | मोबा. 094251 95283
E-mail : parassaklecha@gmail.com | yuwam1977@gmail.com | Website : www.parasdada.com | twitter : parasdada

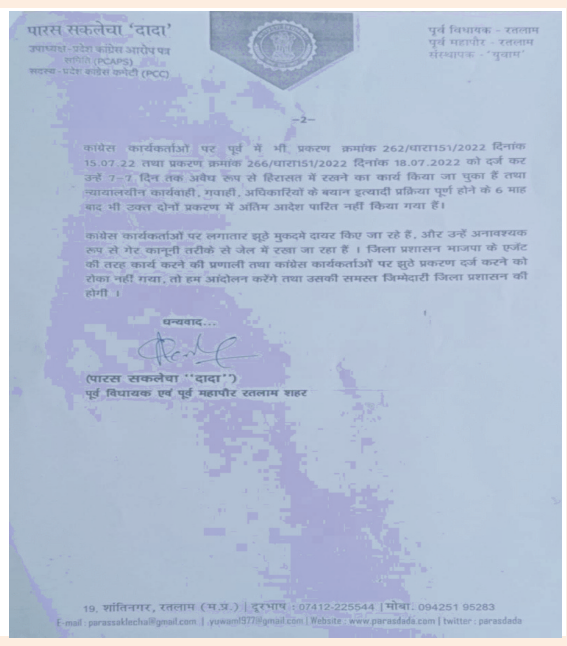

पारस सकलेचा 'दादा'
उपाध्यक्ष - प्रदेश कांग्रेस आरोप पत्र समिति (PCAPS)
सदस्य - प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC)

पूर्व विधायक - रतलाम
पूर्व महापौर - रतलाम
संस्थापक - 'युवाम'

–2–

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पूर्व में भी प्रकरण क्रमांक 262/धारा151/2022 दिनांक 15.07.22 तथा प्रकरण क्रमांक 266/धारा151/2022 दिनांक 18.07.2022 को दर्ज कर उन्हें 7–7 दिन तक अवैध रूप से हिरासत में रखने का कार्य किया जा चुका हैं तथा न्यायालयीन कार्यवाही, गवाही, अधिकारियों के बयान इत्यादी प्रक्रिया पूर्ण होने के 6 माह बाद भी उक्त दोनों प्रकरण में अंतिम आदेश पारित नहीं किया गया हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगातार झूठे मुकदमे दायर किए जा रहे हैं, और उन्हें अनावश्यक रूप से गैर कानूनी तरीके से जेल में रखा जा रहा हैं । जिला प्रशासन भाजपा के एजेंट की तरह कार्य करने की प्रणाली तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे प्रकरण दर्ज करने को रोका नहीं गया, तो हम आंदोलन करेंगे तथा उसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी ।

धन्यवाद...

(पारस सकलेचा "दादा")
पूर्व विधायक एवं पूर्व महापौर रतलाम शहर

19, शांतिनगर, रतलाम (म.प्र.) | दूरभाष : 07412-225544 | मोबा. 094251 95283
E-mail : parassaklecha@gmail.com | yuwam1977@gmail.com | Website : www.parasdada.com | twitter : parasdada

रतलाम। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भाजपा नेताओं के दबाव में जिला प्रशासन झुठे प्रकरण दर्ज कर गैर कानूनी तरीके से जेल में बंद किया जा रहा है । जिला प्रशासन भाजपा के एजेंट की तरह काम कर कर रहा है । यह आरोप प्रदेश कांग्रेस महासचिव तथा पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने कलेक्टर रतलाम को लिखे पत्र में लगाया ।

सकलेचा ने लिखा की दिनांक 30 अप्रैल 2023 , रविवार को कान्ग्रेस कार्यकर्ता तरुण जैन पोहावाला को कोर्ट चौराहे पर स्थित उसकी चाय की दुकान से प्रातः 12:11 पर पुलिस के जवान बलात स्टेशन रोड थाने पर बुलाकर ले गए । तथा दोपहर 2 बजे के आसपास भाजपा नेताओं के दबाव में धारा 188 में झुठा प्रकरण क्रमांक 0286/2023 दर्ज किया गया । हमारे द्वारा उसे छोड़ने , जमानत देने आदि की बात पर भी उसे नहीं छोडा गया । तथा बलात 5 बजे तक थाने मे बिठाया रखा गया ।

सकलेचा ने कहा कि तरुण जैन को शाम 5 बजे थाने से जाने के लिए बोला और जैसे ही थाने की बाउंड्री के गेट पर पहुंचा , वंहा पहले से योजनाबद्ध तरीके से खड़े , पुलिस के दो जवान उसे पुनः पकड़कर थाने के अंदर ले आए और एसडीएम कोर्ट मे पेश कर , प्रकरण क्रमांक 236/151 धारा/2023 मे दर्ज कर लिया । तरुण जैन को धारा 111 दंड प्रक्रिया संहिता का किसी भी तरह का कोई सूचना पत्र प्रदान नहीं किया गया । उसकी गिरफ्तारी की उसके परिवार को कोई सूचना नहीं दी गई । तथा नाही उसे किसी इस तरह की नकल प्रदान की गई ।

सकलेचा ने आरोप लगाया कि एसडीएम न्यायालय में तरुण जैन के अधिवक्ता ने प्रतिभूति प्रस्तुत की, लेकिन एसडीएम ने जमानत लेने से इंकार कर दिया और जमानतदार का न्यायालय की पत्रावली में उल्लेख नहीं किया गया ।

सकलेचा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओ पर पूर्व में भी प्रकरण क्रमांक 262/ धारा 151/ 2022 दिनांक 15 /07/ 22 तथा क्रमांक 266/ धारा 151/ 2022 दिनांक 18/ 07/22 को दर्ज कर उन्है 7-7 दिन तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया । तथा न्यायालयीन कार्यवाही , गवाही , अधिकारीयो के बयान , इत्यादि प्रक्रिया पूर्ण होने के 6 माह बाद भी अभी तक अंतिम आदेश पारित नहीं किया ।।सकलेचा ने जिला प्रशासन पर कान्ग्रेस कार्यकर्ताओं पर भाजपा के दबाव मे लगातार झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाया ।सकलेचा ने चेतावनी देते हुये कहा कि जिला प्रशासन भाजपा के एजेंट की तरह कार्य करना बंद करे वरना आंदोलन किया जायगा तथा उसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी ।

महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान

रतलाम, उपेंद्र पाटोदिया/ पुलिस अधीक्षक रतलाम सिद्वार्थ बहुगुणा के निर्देश में महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान के तहत आज दिनांक को निरीक्षक प्रिती कटारे थाना प्रभारी नामली एवं उप.निरीक्षक मुकेश सस्तिया चौकी प्रभारी हाट रोड द्वारा हनुमान ताल पर मॉर्निंग वाक करने वाली महिलाओं/बालिकाओं से चर्चा कर महिला सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई दी गई तथा रतलाम पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 7049127232 नोट करवाए गयें । उक्त हेल्पलाईन पर महिलॉए एवं बालिकाएँ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या असामाजिक तत्वों द्वारा की गई घटनाओं की जानकारी हेल्पलाइन पर दर्ज करवाने हेतु बताया गया। महिलाओं से चर्चा करते उनके द्वारा बताया कि दिन में 01 से 05 तक हनुमान ताल में असामाजिक तत्वों की आवाजाही रहना बताया। इसी प्रकार कोचिंग संस्थान exam तक व सक्सेस अकादमी में छात्र छात्राओं से चर्चा कर महिला सुरक्षा के संबंध मे चर्चा की गई व हेल्पलाइन नंबर नोट करवाए गए।

भूमि भवन आदि के कब्जे संबंधी विवादों के निराकरण हेतु कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने किया समिति का गठन

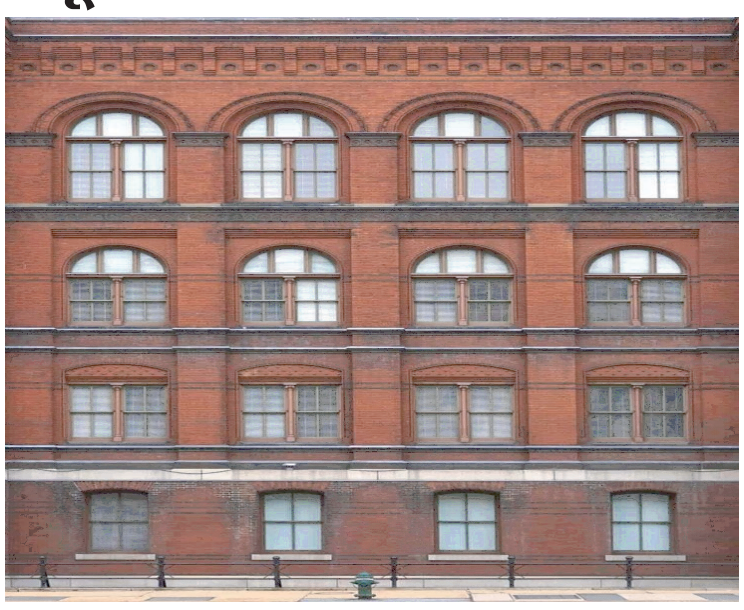

जिला ब्यूरो चीफ उपेंद्र पाटोदिया

रतलाम। समिति 4 मई को करेगी विशेष सुनवाई जिले में भूमि भवन आदि के कब्जे संबंधी विवादों के निराकरण के लिए कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा एक समिति गठित की गई है जिसमें अपर कलेक्टर डॉ शालिनी श्रीवास्तव डिप्टी कलेक्टर सुनील कुमार जायसवाल जिला पंजीयक अमरेश नायडू तथा अधीक्षक भू-अभिलेख अकलेश मालवीय को शामिल किया गया हैउपरोक्त समिति आगामी 4 मई को प्रातः 11:00 बजे समस्याओं शिकायतों के शीघ्र निराकरण एवं कार्रवाई करने हेतु कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में विशेष सुनवाई आयोजित करेगी सभी ऐसे शिकायतकर्ता जो भूमि भवन पर अवैध निक कब्जे से पीड़ित हैं वे नियत तिथि एवं समय पर भूमि भवन के संबंध में अपने वेध्यनिक दस्तावेजों की प्रति के साथ शिकायत उक्त समिति के समक्ष सुनवाई हेतु प्रस्तुत कर सकते हैंउल्लेखनीय है कि जिले में जन शिकायत एवं जन समस्याओं की सुनवाई के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आ रहा है कि जिले में अत्यधिक संख्या में ऐसे पीड़ित विद्यमान है जिनको अपनी संपत्ति पर कब्जे को लेकर विभिन्न प्रकार की समस्याएं हैं कतिपय मामलों में कॉलोनाइजर एवं विक्रेताओं द्वारा जमीन भूखंड भवन आदि का क्रय विक्रय सम व्यवहार एवं विक्रय पत्र निष्पादन हो जाने के बावजूद भी पीड़ित पक्ष भौतिक रूप से परिसंपत्ति का कब्जा प्राप्त करने हेतु परेशान है या फिर दबंगों या पूर्व विक्रेता द्वारा अवैधयानिक कब्जे के कारण वे अपनी संपत्ति का उपयोग उपभोग नहीं कर पा रहे हैं उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा कब्जे संबंधी विवादों के निराकरण हेतु समिति गठित की गई है।

वर्तमान स्थिति में हमें निरंतर संगठित हो लड़ाई लड़नी होगी

जिला ब्यूरो चीफ उपेंद्र पाटोदिया

रतलाम। श्रम संगठनों की संयुक्त समिति एवं एमपी एस एस आर यू के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस पर वाहन रैली अलकापुरी श्रमिक चौराहे से निकाली गई। राम मंदिर महाराणा प्रताप चौक जीपीओ रोड लोकेंद्र टॉकीज कॉलेज रोड होते हुए नगर निगम चौराहे पर सभा के रूप में परिवर्तित हुई। सभा को एच एन जोशी का मेडिकल संघ के लाखन सिंह बैंक एंप्लोई संघ के नरेंद्र जोशी आंगनवाड़ी संघ अध्यक्ष कृष्णा सोनगरा आशा आशा कार्यकर्ता संघ अध्यक्ष मीनाक्षी गौड़ जनवादी लेखक संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह पेंशनर संघ की गीता देवी राठौर एमआर संघ के अभिषेक जैन सीटू अध्यक्ष अश्विनी शर्मा वाह मांगीलाल नगावत ने संबोधित किया। जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि 1 मई 1886 को शिकागो में दमनआत्मक कार्यवाही के कारण कई श्रमिक शहीद हुए और तभी से यह परंपरा बन गई है। सीटू अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि लगातार श्रम कानूनों में संशोधन विधेयक पूंजीपति वर्ग द्वारा शोषण के कारण वर्तमान स्थिति में हमें निरंतर संगठित हो लड़ाई लड़ना होगी।इस अवसर पर तृप्ति शर्मा नरेंद्र सिंह सोलंकी स्नेहिल मोघे निखिल मिश्रा अविनाश पोरवाल राशिद खान आशापुरी रविंद्र शर्मा गोपाल कुमार विजय सोनी सहित विभिन्न ट्रेड यूनियन के साथी उपस्थित रहे।।

जिले के 1 लॉख 34 हजार स्कूली विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश

रतलाम उपेंद्र पाटोदिया/ राज्य शासन द्वारा रतलाम जिले के शासकीय विद्यालयों के एक लाख 34 हजार 540 स्कूल विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश दी जा रही है ।इसके अंतर्गत जारी वर्ष 2022-23 मे जिले के सीएम राइस स्कूलों में अध्ययनरत 1672 विद्यार्थियों के बैंक खातों में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सीधे राशि जमा कर दी गई है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा समय सीमा मे विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराने के निर्दश दिए गए है। इसी प्रकार राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जिले के शासकीय स्कूलों के कक्षा पांचवी तथा आठवीं के 3282 विद्यार्थियों के खातों में भी सीधे राशि जमा कर दी गई है। इसके अलावा जिले के शासकीय स्कूलों के पहली से लेकर चौथी कक्षा तथा छठी एवं सातवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के गणवेश सिलाई का कार्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा जिनके बैंक खातों में 75 प्रतिशत राशि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सीधे जमा कर दी गई है ।जिला शिक्षा केंद्र के परियोजना समन्वयक एम.एल सांसरी ने बताया कि शासन की योजना अंतर्गत पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के लिए दो गणवेश प्रदान किए जाते हैं जिनके लिए प्रति गणवेश 300 रुपए राशि शासन द्वारा प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र के तहत आगामी 20 मई तक शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को गणवेश वितरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

एकलव्य इंस्टिट्यूट में मनाया गया मजदूर दिवस : डॉ. एमपी सिंह

जिला ब्यूरो चीफ उपेंद्र पाटोदिया

रतलाम। पएकलव्य इंस्टिट्यूट में मनाया गया मजदूर दिवस- डॉ एमपी सिंहMay 01, 2023अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट ने एकलव्य इंस्टिट्यूट में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जिसमें श्रम शक्ति को नमन करते हुए देश के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद समाजशास्त्री दार्शनिक प्रोफ़ेसर एमपी सिंह ने मजदूर दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि मजदूर और श्रमिकों को सम्मान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है लेकिन कामकाज करने वाले लोगों को काम के बदले सही समय पर वेतन नहीं मिल पाता है बाहुबली धनवली अधिकतर मजदूरों से काम करा लेते हैं और उनकी पिटाई करके भगा देते हैं जिसके लिए उन्हें धरने प्रदर्शन करने पड़ते हैं पुलिस की लाठियां खानी पड़ती है आंदोलन करने पड़ते हैं जो कि उचित नहीं है एक मजदूर पसीना बहा कर भूखा प्यासा रहकर कार्य करता है लेकिन जब उसे समय पर वेतन नहीं मिलता है तो मन मार कर रह जाता है क्योंकि वह मजदूर मजबूर है डॉ एमपी सिंह का कहना है कि आज की व्यवस्था में महंगाई बेरोजगारी आधुनिकीकरण ने ज्यादा संकट पैदा कर दिया है सत्ता और व्यवस्था दोनों ही सच को जानते हैं मगर समाधान नहीं करते हैं श्रमिक खेतों कारखानों ऑफिस में काम करके देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करते हैं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैंडॉ एमपी सिंह ने कहा कि अधिकतर नेता अपने भाषण में मजदूर को अपना भाई कहते हैं क्योंकि इसी वर्ग का सबसे बड़ा वोट बैंक होता है लेकिन फिर भी नीतियां आर्थिक उदारीकरण की बनाते हैं जिसकी करारी चोट मजदूर पर ही पड़ती है यह सब कुछ मजदूर भी पहचान रहा है लेकिन कोई विकल्प नहीं है आज लेखक वर्ग भी मजबूर है वह भी सही बात को नहीं लिख पा रहा है जिसकी वजह से मजदूर मजबूर हो गया है डॉ एमपी सिंह ने कहा कि मजदूर का इतना बड़ा वोट बैंक होने के बाद भी वह कुछ बदल पाने में असमर्थ है फावड़ा और तगड़ी से जीवन चलाने वाले का धर्म संघर्ष होता है और जाति मजदूर होती है दूसरों के पक्के घर बनाने वाले अपने पक्के घर नहीं बना पाते हैं दूसरों के लिए हवाई जहाज बनाने वाले हवाई जहाज में नहीं बैठ पाते हैं जब मैं लंबी सड़कों को देखता हूं उन पर सरपट दौड़ती हुई गाड़ियों को देखता हूं तो मजदूर शक्ति ही दिखाई पड़ती है लेकिन मजदूरी के बदले कुछ हासिल नहीं हो पाता है डॉ एमपी सिंह ने कहा कि ईंट भट्टा खेत खलिहान चावलमिल गन्नामिल आदि में आज भी लोग बंधुआ मजदूरी कर रहे हैं और अपने कर्ज का भुगतान कर रहे हैं प्लास्टिक की छत के नीचे ही अपना जीवन यापन जैसे तैसे कर रहे हैं हथोड़ा चलाकर हल चलाकर या कलम और कुदाली चलाकर अपना जीवन यापन करने वाले सभी श्रमिक हैं डॉ एमपी सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट बाल श्रमिकों को न्याय दिलाने में मदद कर रहा है अनेकों बच्चों को तस्करों के चंगुल से छुड़वाया है यदि किसी को किसी प्रकार की परेशानी हो तो 98105 66553 पर संपर्क कर सकते हैं

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023